DAYALBAGH EDUCATIONAL INSTITUTE
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)
DAYALABGH AGRA – 282002
DEPARTMENT— HINDI FACULTY—Arts

B.A. HINDI FOUR YEAR PROGRAMME –
OBJECTIVES-

1. हिंदी विभाग द्वारा B.A. हिंदी प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थी को हिंदी भाषा एवं साहित्य, साहित्येतिहास, आदि का व्यापक ज्ञान प्रदान किया जाता है जो विद्यार्थी को भाषा सम्बंधित रोज़गार हेतु मार्ग प्रशस्त करता है।अत्यंत परिपक्व पाठ्यक्रम सभी सरकारी, गैर सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं (नेट, सी टेट,बैंक,व्यवसाय,आदि)को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है।
2. भाषा के लिखित रूप के साथ उसकी मौखिक प्रस्तुति में विद्यार्थी को परिपक्व बनाना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।
3. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी में साहित्य एवं भाषा आधारित शोध करने की क्षमताओं को वर्धित करता है।
4. विद्यार्थी की लिखित एवं मौखिक क्षमताओं को विकसित करने वाला यह पाठ्यक्रम मूलतः विद्यार्थी के व्यक्तित्व को निर्मित एवं परिपक्व करता है।
5. हिंदी भाषा के साथ अन्य पाश्चात्य एवं हिंदीतर भारतीय साहित्य (विभिन्न विधाओं की रचनाओं का अनुशीलन) का अध्ययन विद्यार्थियों को युगानुरूप व्यापक दृष्टि प्रदान करता है।

Program Name- Hindi –B.A., B.Com, B.Tech, B.Sc.,B.S.Sc.	
Status of Course & Credit: language Course, 2 credits	
Course Number &Title: **HIL-101 / OMH-181**	
Lectures / Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester] : L-2 per week	
Total Lectures / Semester:	
	Introduction- (परिचय) - गैर हिन्दी भाषी एवं अन्य शैक्षणिक अनुशासन के छात्रों को संचार के विभिन्न माध्यमों से अवगत कराना हिन्दी एवं कार्यालयी हिन्दी के प्रारूप में शिक्षित करना। उन्हें हिन्दी प्रदेशों के प्रशासनिक- कार्यालयी पत्र लेखन के विधि से अवगत करना और इस अध्ययन के माध्यम से उन्हें उसकी प्रक्रिया में दीक्षित करना।

1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य – 1. अन्य शैक्षणिक अनुशासन के छात्रों प्रयोजन मूलक हिन्दी के रूप में शिक्षित करना। 2. अन्य भाषाओं के छात्रों को हिन्दी प्रदेशों के प्रशासनिक पत्र लेखन के विधि से अवगत करना। 3. कार्यालयी पत्र लेखन में उन्हें दीक्षित करना। 4. कार्यालयी एवं प्राशासनिक संक्षेपण में दीक्षित करना। 5. कार्यालयी एवं प्राशासनिक पल्लवन में दीक्षित करना।			
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5) परिणाम 1. अन्य शैक्षणिक अनुशासन के छात्रों प्रयोजन मूलक हिन्दी के रूप में शिक्षित करना। 2 . अन्य भाषाओं के छात्रों को हिन्दी प्रदेशों के प्रशासनिक पत्र लेखन के विधि से अवगत करना। 3. कार्यालयी पत्र लेखन में उन्हें दीक्षित करना। 4. कार्यालयी एवं प्राशासनिक संक्षेपण में दीक्षित करना 5. कार्यालयी एवं प्राशासनिक पल्लवन में दीक्षित करना।			
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)		Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I			
	इकाई 1- संचार प्रक्रिया, प्रकार महत्त्व, माध्यम, कौशल।	(6 pds)		Understanding
	Unit – II			
	इकाई 2- पेशेवर कौशल- जीवन वृत्त, आवेदन पत्र, साक्षात्कार कौशल, डिजिटल साक्षात्कार।	(5 pds)		Understanding
	Unit – III			
	इकाई 3: पत्र लेखन – कार्यालय एवं गैर कार्यालयी पत्र ।	(5 pds)		Creating
	Unit – IV			
	इकाई 4-संचार एवं संचार माध्यम के लिए लेखन , फीचर, रिपोर्ट, समाचार	(5 pds)		Analyzing
	Unit – V			
	इकाई 5- जीवन कौशल, प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा, शांति एवं सेवा का महत्त्व।	(5 pds)		Applying
5	REFERENCE BOOKS	Author	Edition, Year, Publisher	PLACE

a	भाषा विज्ञान	भोलानाथ तिवारी		दिल्ली
b	हिन्दी भाषा	भोलानाथ तिवारी		दिल्ली

Program Name- बी. ए./ बी.एस.एससी /बी.एस सी /बी कॉम /बी.टेक प्रथम वर्ष	
Status of Course & Credit: Language, Credit-2	
Course Number & Title: **HIL-201 /OMH 281 ज्ञान के विविध क्षेत्र और हिन्दी**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each [Week 13 per semester]: L-2	
Total Lectures / Semester: 26 प्रति सेमेस्टर	
1	Introduction: साहित्य की विविध विधाएं हैं ।प्रभावोत्पादकता और रमणीयता की अभिवृद्धि करने हेतु गद्य में अनेक प्रकार की रचनायें हिन्दी साहित्य में पठनीय हैं अतः चुनिन्दा श्रेष्ठ साहित्यिक विधाओं का चुनाव करके बहुआयामी ज्ञान से परिचित करवाना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।भारतीय राजनीति,राष्ट्रीय सभ्यता ,संस्कृति स्वरूप और उसके अस्तित्व से परिचित करवाने में यह पाठ्यक्रम अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम सिद्ध होगा। गद्य रचनाओं को विचारात्मक,सूचनात्मक,वर्णनात्मक ,कथात्मक ,चरित्र निर्माणात्मक ,व्यवहारिक ज्ञान प्रदायक ,वैज्ञानिक सोच का विकास करने, भौगोलिक और ऐतिहासिक विषयों से परिचित करवाने वाला होना अति आवश्यक है ।अतः हिन्दी के गद्यकारों के प्रमुख निबंध जिनमे विज्ञान,इतिहास ,व्यंग्य और ललित निबंध का अध्ययन कर विद्यार्थियों का मूल्य परक विकास हो सकेगा।
2	**Objectives: (At least 5)** 1.हिन्दी साहित्य में लिखित ज्ञान की विविध विधाओं में लिखित निबंधों,विज्ञान लेखों,कहानियों और ऐतिहासिक लेखन के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति,सभ्यता से परिचित करवाना। 2.भारतीय संस्कृति, भारतीय मूल्यों और भारतीय सभ्यता से परिचित करवाना। 3.समाज सापेक्ष निबंधों के अध्ययन द्वारा समाज में निहित रीति रिवाज़ और उनसे जुड़े मिथक और सत्य से परिचित करवाना। 4.कहानियों में निहित संदेशों से परिचित करवाना। 5.साहित्य में ज्ञान की विविध विधाओं और उनमें निहित मूल्यों से परिचित करवाना।
3	**Course Outcomes (CO1: (At least 5)** After completion of the course, students will be able to: 1.विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में लिखित श्रेष्ठ ज्ञानपरक लेखन से परिचित हो सकेंगे। 2.ज्ञानपरक लेखन में निहित भारतीय सभ्यता,संस्कृति एवं अन्य विचारों से परिचित हो सकेंगे। 3.विविध ज्ञान परक लेखन में निहित मिथक एवं सत्य से परिचित हो सकेंगे। 4.कहानियों में निहित संदेशों और मूल्यों से परिचित हो सकेंगे।

	5. पाठ्यक्रम में सम्मिलित अध्ययन सामग्री के पठन के उपरान्त विद्यार्थी इस प्रकार के अन्य साहित्य को पढने हेतु प्रेरित हो सकेंगे।				
4	Course Contents (not as running matter, should be points wisewith title of unit)			Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I				
	पृथ्वी सूक्त –श्री वासुदेव शरण अग्रवाल			6	ANALYZING
	Unit – II				
	भारत माता कौन-जवाहरलाल नेहरु			5	UNDERSTANDING
	Unit – III				
	भारतीय विज्ञान की कहानी –गुणाकर मूले			5	REMEMBERING AND UNDERSTANDING
	Unit – IV				
	चूड़ी का चिन्ह्शास्त्र –कृष्ण कुमार			5	ANALYZING
	Unit – V				
	हरिशंकर परसाई की दो चयनित कहानियाँ			5	UNDERSTANDING AND CREATING
5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE	
	पृथ्वीपुत्र	वासुदेव शरण अग्रवाल	१९४९ ,सस्ता साहित्य मण्डल	नई दिल्ली	
	भारत माता	आरोह ,भाग-१	२०२२ ,NCERT	नई दिल्ली	
	भारतीय विज्ञान की कहानी	जवाहरलाल नेहरु	२०१९,ईशान प्रकाशन	नई दिल्ली	

	चूड़ी बाज़ार में लडकी	गुणाकर मुले	२०१४ ,राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
	कहानी –भोलाराम का जीव	हरिशंकर परसाई	२०१०,वाणी प्रकाशन	नई दिल्ली
	कहानी –विकलांग श्रद्धा का दौर	हरिशंकर परसाई	२०१५ ,राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली

Program Name- BA	
Status of Course & Credit: DSC / 3	
Course Number & Title:**HIM 101 हिंदी भाषा और साहित्य का विकास**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-3	
Total Lectures / Semester:39	
1	Introduction: This paper aims to हिन्दी भाषा और साहित्य को गंभीरता से समझने के लिए उसके सम्पूर्ण स्वरुप को समझना अति आवश्यक है ।विश्व की प्रमुख भाषा और श्रेष्ठ साहित्य का आगार हिन्दी साहित्य है जिसका विकास गद्य,पद्य और चम्पू काव्य के रूप में हुआ है।हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास का विस्तृत विश्लेषण करने के लिए अपभ्रंश से विकसित होती हुई आधुनिक हिन्दी का विकास बेहद रुचिकर रूपों में हुआ है ।समयानुसार भाषा और लेखन के स्वरुप में परिवर्तन आया है जो समकालीन साहित्य के रूप में समझा जा सकता है जिसका अपना ही महत्त्व है।
2	Objectives: (At least 5) 1.हिन्दी के विकास को चरणबद्ध ढंग से समझाना 2.हिन्दी प्रदेश की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना 3.हिन्दी के क्षेत्रों और उसकी बोलियों के स्वरुप को समझाना 4.हिन्दी साहित्य के विकास को विस्तार से समझाना 5. अपभ्रंश से आधुनिक हिन्दी भाषा और साहित्य की प्रवृत्तियों और विशेषताओं को समझाना
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: हिन्दी भाषा और साहित्य को विस्तार से जान सकेंगे। हिन्दी साहित्य के इतिहास का उचित विश्लेषण कर सकेंगे। आदिकाल मध्यकाल आधुनिक काल की विशेषताओं और प्रवृत्तियों को जान सकेंगे। समकालीन साहित्य की जानकारी हो सकेगी।

	हिन्दी साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों को विस्तार से जान सकेंगे।				
4	Course Contents (not as running matter, should be points wisewith title of unit)			Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I				
	हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, पुराणी हिन्दी, सिन्धी भाषा, हिन्दी प्रदेश			8	ANALYZING
	Unit – II				
	हिन्दी की बोलियाँ –पूर्वी हिन्दी , पश्चिमी हिन्दी ,अन्य			7	UNDERSTANDING
	Unit – III				
	खडी बोली का विकास ,उर्दू –हिन्दी –हिन्दुस्तानी ,मानकीकरण ,हिन्दी की संस्थाएं			8	UNDERSTANDING
	Unit – IV				
	हिन्दी साहित्य का विकास –आदिकाल एवं मध्यकाल			8	ANALYZING
	Unit – V				
	हिन्दी साहित्य का विकास –आधुनिक काल एवं समकालीन साहित्य			8	ANALYZING
5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE	
	1-हिंदी का गद्य साहित्य,	रामचंद्र तिवारी,	2016 विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2010	वाराणसी,	
	2-हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग.	नामवर सिंह.	साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद	इलाहाबाद.	
	3-हिन्दी साहित्य का दुसरा इतिहास	डॉ बच्चन सिंह	१९८१ ,वाणी प्रकाशन	इलाहबाद	
	4-हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेन्द्र	२०१८ ,राजकमल प्रकाशन	दिल्ली	

Program Name- B.A (I Semester)			
Status of Course & Credit: DSC Course 3 credits			
CourseNumber&Title:**HIM-102, 'आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य'**			
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-3 per week			
Total Lectures / Semester: 39/ semester			
	Introduction: हिंदी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को काव्य लेखन की आरंभिक विकास यात्रा का परिचय प्रदान किया जाता है समाज, राजनीति धर्म आदि में होने वाले परिवर्तन किस प्रकार कविता के स्वरूप को परिवर्तित करते हैं, समाज को दिशा प्रदान करते हैं। रासो, सिद्ध, नाथ, लौकिक साहित्य, आदि के साथ भक्ति आन्दोलन और उसके व्यापक प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। अमीर खुसरो, विद्यापति, कबीर, तुलसी, बिहारी, पद्माकर की काव्य रचनाओं के कतिपय अंशों का अनुशीलन करते हुए आदिकालीन और मध्यकालीन समाज,राजनीति,धर्म के स्वरूप का साहित्य के परिपेक्ष्य में अध्ययन किया जाता है।		
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1 आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन करना। 2 साहित्य और समाज के मध्य जुड़ाव का और साहित्य के व्यापक प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। 3. प्रमुख आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवियों के काव्य के अध्ययन द्वारा साहित्य के आरंभिक स्वरूप को समझाया जाता है। 4 दो युगों के मध्य भाषा किस प्रकार अपना रूप परिवर्तित करती है और युग विशेष में अपना आधिपत्य स्थापित करती है का अध्ययन किया जाता है। 5 प्राचीन साहित्य आधुनिक साहित्य पर अपना प्रभाव किस प्रकार डालता है इसका अध्ययन किया जाता है।		
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम विद्यार्थियों को आरंभिक साहित्येतिहास का परिचय प्राप्त होता है। विद्यार्थी में साहित्य और समाज के अन्योन्याश्रित संबंध को समझ विकसित होती है। प्रमुख आदिकालीन एवं मध्यकालीन विविध धाराओं कवियों के काव्य से विद्यार्थी परिचित होता है। साहित्यिक भाषा के विकास का परिचय प्राप्त होता है। प्राचीन साहित्य से आधुनिक साहित्य किस प्रकार प्रभाव ग्रहण करता है और दोनों के मध्य क्या अंतर है का सामान्य ज्ञान प्राप्त होता है।		
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	UNIT 1: आदिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि, परिचय, प्रवृत्तियाँ,	6 pds	UNDERSTANDING
	UNIT 2: खुसरो, विद्यापति	(9 pds)	ANALYZING

	UNIT 3: मध्यकालीन काव्य-भक्ति आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि, अखिल भारतीय आंदोलन का स्वरूपः एकता के सूत्र एवं रीतिकाल का परिचय	(6 pds)	UNDERSTANDING
	UNIT 4: कबीर, तुलसी	(9 pds)	ANALYZING
	UNIT 5: पद्माकर, बिहारी	(9 pds)	ANALYZING
5	REFERENCE BOOKS/REFERENCE	Author	Edition, Year, Publisher
a	कबीर ग्रंथावली	श्यामसुंदर दास	राजकमल प्रकाशन
b	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पाण्डेय	वाणी प्रकाशन
c	भक्ति आंदोलन और काव्य	गोपेश्वर सिंह	वाणी प्रकाशन
d	भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार	गोपेश्वर सिंह	भारतीय प्रकाशन संस्थान
e	भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य	शिवकुमार मिश्र	लोक भारती प्रकाशन
f	हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारी प्रसाद द्विवेदी	राजकमल प्रकाशन
g	हिन्दवी कवि अमीर खुसरो	गोपीचंद नारंग	वाणी प्रकाशन

Program Name- B.A (I Semester)	
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 2 credits	
CourseNumber&Title:**HIM-103 , संगोष्ठी एवं परिसंवाद**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 per week	
Total Lectures / Semester: 52 semester	
	Introduction: **HIM-102, 'आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य' HIM 101 हिंदी भाषा और साहित्य का विकास** का मौखिक अध्ययन और प्रस्तुति की क्षमता का विकास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन करना। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय की समझ विकसित करना । 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन प्राप्त होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है।

	4. विषय की समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A (I Semester)	
Status of Course & Credit: Project, Self study Apprenticeship, Course 1 credits	
CourseNumber&Title:**HIM-104, लैब कोर्स-1**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week	
Total Lectures / Semester: 26/ semester	
	Introduction: **HIM-102, 'आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य' HIM 101 हिंदी भाषा और साहित्य का विकास** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. उच्चारण की शुद्धता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम से इतर सम्बंधित युग की रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. उच्चारण शुद्ध होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A (II Semester)	
Status of Course & Credit: DSC Course 3 credits	
CourseNumber&Title:**HIM-201-'राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा'**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]:L- 3 per week	
Total Lectures / Semester: 39/ semester	
	Introduction: निम्न कोर्स के अंतर्गत राष्ट्र एवं राष्ट्रीयता, राष्ट्रवाद को समझते हुए 1857 के विप्लव से 1947 तक के स्वातंत्रय वैतालिक का अध्ययन करते हुए स्वतंत्रता आन्दोलन के साथ-साथ खड़ीबोली साहित्य के विकास का अध्ययन किया जाता है।भारतेंदु युग से लेकर उत्तरछायावाद के कुछ बाद तक की राष्ट्रीय सांस्कृतिक कविताओं का

	अध्ययन किया जाता है।।प्रत्येक स्वातंत्र्य गतिविधि और खड़ीबोली हिंदी कवियों की प्रतिक्रिया और उनके योगदान की सार्थक व्याख्या और उसका विश्लेषण करने के साथ युगानुरूप राष्ट्र की चिंता और उसकी महत्ता के गीतों कविताओं का विश्लेषण इस कोर्स का सार है।		
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना को बलवान बनाना। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधियों और खड़ीबोली कवियों के योगदान से परिचित कराना। स्वातंत्र्य वैतालिक से परे राष्ट्र निर्माण और विकास की प्रक्रिया को समझाना। प्रमुख कवियों और उनके काव्य में उनकी राष्ट्रीय भावना की व्याख्या और विश्लेषण क्षमता का विकास करना । भारतेंदु, द्विवेदी, छायावाद, छायावादोत्तर प्रत्येक युग में खड़ीबोली कविता के परिवर्तित स्वरूप का विश्लेषण करना ।		
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. विद्यार्थी में भारतीयता की भावना विकसित होती है । 2. विद्यार्थी भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष से परिचित होते हैं और खड़ीबोली बोली कविता के स्वरूप को समझते हैं। 3. एक राष्ट्र के विकास में प्रत्येक निम्नतम इकाई किस प्रकार योगदान देती है इस समझ का विकास होता है । 4. कवि एवं स्वतंत्रता सेनानियों के भावनात्मक उन्नयन को विद्यार्थी समझते हैं और कविता की व्याख्या की प्रक्रिया को पूर्ण करते हैं । 5. विद्यार्थी युगानुरूप खड़ीबोली कविता के विकास और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान को समझते हैं।		
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	UNIT 1: खड़ी बोली कविता और स्वाधीन चेतना खड़ी बोली का विकास और स्वाधीनता आंदोलन का अंतरसंबंध, राष्ट्रवाद और हिन्दी कविताएँ, राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा, प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियाँ	6 pds	Understanding
	UNIT 2: मैथिलीशरण गुप्त, माखन लाल चतुर्वेदी (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	9 pds	Analyzing, Applying
	UNIT 3: राष्ट्रीय काव्य धारा- रामधारी सिंह दिनकर, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	9 pds	Analyzing, Applying
	UNIT 4: उत्तर छायावाद- श्याम नारायण पाण्डेय, सुभद्रा कुमारी चौहान (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)	9 pds	Analyzing, Applying
	UNIT 5: हिन्दी कविता में स्वाधीनता आंदोलन की अभिव्यक्ति- भारतेन्दु युगीन कविता में राजभक्ति- राष्ट्रभक्ति, द्विवेदी युगीन कविता में राष्ट्रीय चेतना	6 pds	Understanding

5	REFERENCE BOOKS/REFERENCE	Author	Edition, Year, Publisher
a	मैथिलीशरण गुप्तः पुनर्मूल्यांकन	डॉ. नगेन्द्र	
b	निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा	
c	स्वच्छंदतावादी काव्यधारा	प्रेमशंकर	
d	आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान	केदारनाथ सिंह	
e	मैथिलीशरण गुप्त	कृष्णदत्त पालीवाल	
f	आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास	नन्दकिशोर नवल	
g	जयशंकर प्रसाद नंददुलारे वाजपेयी निरालाः आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह	
h	छायावाद	नामवर सिंह	
i	त्रयी- जानकीवल्लभ शास्त्री महादेवी	दूधनाथ सिंह	
j	आधुनिक हिन्दी कविताः परम्परा और परिवेश	आदित्य प्रचण्डिया	

<table>
<tr><td colspan="4">Program Name- B.A.</td></tr>
<tr><td colspan="4">Status of Course & Credit: DSC Course 3 Credits</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Number & Title: HIM-202 रचनात्मक लेखन</td></tr>
<tr><td colspan="4">Lectures/ Week: of 55 mts. Each. Week 13 per semester: L-3 per week</td></tr>
<tr><td colspan="4">Total Lectures / Semester: 39</td></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="3">Introduction:
हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों में रचनात्मक लेखन का कौशल विकसित करने से उनके सामने रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। रचनात्मक लेखन अभिव्यक्ति कौशल के साथ साथ सृजनात्मकता को भी प्रश्रय देता है।</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="3">Objectives:
1: रचनात्मक लेखन की अवधारणा से परिचित होना।
2: रचनात्मक लेखन की बारीकियों को समझना।
3: नई भाषा और समकालीनता के साथ लेखन कला विकसित करना।
4: नए टूल्स का इस्तेमाल करना।
5: अलग अलग माध्यमों के लिए लेखन।</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="3">Course Outcomes
विद्यार्थी लेखन के विभिन्न स्वरूपों से परिचित होगा।
विभिन्न साहित्य रूपों के लिए लेखन।
रोजगारपरक लेखन का कौशल विकसित होगा।
सृजनात्मक लेखन के नए रूपों से परिचित होगा।
इंटरनेट और ब्लॉग के लिए लेखन।</td></tr>
<tr><td>4</td><td>Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)</td><td>Period</td><td>Bloom’s Taxonomy Learning outcome</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td></td><td colspan="3"></td><td>Number of Lecture(s)</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">Unit – I</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र पत्रकारिता, विज्ञापन
विविध गद्य एवं काव्य-रूप
लेखन के विविध रूप गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य</td><td>8</td><td>Remembering</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">Unit – II</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">रचनात्मक लेखन और भाषा, भाषा की भंगिमाएं:
औपचारिक-अनौपचारिक
मौखिक-लिखित
मानक भाषा
साहित्य की समझ</td><td>7</td><td>Understanding</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">Unit – III</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">सृजनात्मक लेखन का अभ्यास
कविता लेखन
कहानी लेखन
एकांकी लेखन</td><td>10</td><td>Applying</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">Unit – IV</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन-
प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन
फीचर
पुस्तक समीक्षा
रिपोर्ट</td><td>8</td><td>Applying</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">Unit – V</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">कंप्यूटर और हिन्दी
कंप्यूटर में हिन्दी का प्रयोग
यूनिकोड
इन्टरनेट और हिन्दी
ब्लॉग लेखन</td><td>6</td><td>Creating</td></tr>
<tr><td>5</td><td>REFERENCE BOOKS

रचनात्मक लेखन</td><td>AUTHOR(s)

रमेश गौतम</td><td>Edition, Year, Publisher
2007, भारतीय ज्ञानपीठ</td><td colspan="2">PLACE

नई दिल्ली</td></tr>
</table>

	रचनात्मक लेखन	डॉ. प्रतिमा	2018, श्री नटराज प्रकाशन	नई दिल्ली
	पटकथा लेखन	असगर वजाहत	2011, राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
	पटकथा लेखन	मनोहर श्याम जोशी	2016, राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली

Program Name- B.A (II Semester)	
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 2 credits	
CourseNumber&Title:**HIM-203 , संगोष्ठी एवं परिसंवाद**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 per week	
Total Lectures / Semester: 52 semester	
	Introduction: **HIM-202,** ‘रचनात्मक लेखन’ **HIM 201 राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा** का मौखिक अध्ययन और प्रस्तुति की क्षमता का विकास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन करना। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय की समझ विकसित करना । 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन प्राप्त होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. विषय की समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A (II Semester)
Status of Course & Credit: Project, Self study, Apprenticeship 1 credits
CourseNumber&Title:**HIM-204, लैब कोर्स-2**
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week
Total Lectures / Semester: 26/ semester

	Introduction: **HIM-202, 'रचनात्मक लेखन' HIM 201 राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. उच्चारण की शुद्धता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम से इतर सम्बंधित युग की रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. उच्चारण शुद्ध होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- BA/BA.S.SC III Semester	
Status of Course & Credit: DSC / 3 Credit	
Course Number & Title:-**HIM 301/सामान्य भाषा और व्याकरण**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L- 3	
Total Lectures / Semester: 39	
1	Introduction: This paper aims to व्याकरण भाषा और साहित्य की आधार भूमि है।भाषा सम्प्रेषण और उसके प्रयोग में आने वाली सभी समस्याओं का समाधान व्याकरण द्वारा संभव है।एक प्रश्न सदैव किया जाता है कि भाषा का प्रादुर्भाव पहले हुआ या व्याकरण का किन्तु ये अटल सत्य है कि ये दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं।सार्थक भाषा प्रयोग की सीख केवल व्याकरण में ही है।भारतीय एवं पाश्चात्य वैय्याकरनों की भाषा एवं साहित्य को परिष्कृत ,परिमार्जित करने का कार्य सदियों से किया गया है।पाणिनी ,पतंजलि ,कामता प्रसाद गुरु एवं एनी वैय्याकरण इस क्षेत्र की नींव हैं
2	Objectives: (At least 5) 1:भाषा में व्याकरण का महत्त्व प्रतिपादित करना। 2:साहित्य में भाषा और व्याकरण का अंतर्संबंध स्थापित करना। 3:छात्रों को उचित व्याकरण प्रयोग हेतु प्रेरित करना। 4:भाषा और व्याकरण गत अशुद्धियों को सुधारने हेतु तैयार करना। 5: भाषा के परिष्कार हेतु व्याकरणिक नियमों और उनके अनुपालन की सीख देना।

3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: 1-शुद्ध भाषा का प्रयोग करना सीख सकेंगे। 2-साहित्य अध्ययन करते समय समुचित उच्चारण और उतार चढ़ाव का प्रयोग कर सकेंगे। 3-भाषा और साहित्य का व्याकरणिक विश्लेषण कर सकेंगे। 4-शब्द रचना ,वाक्य रचना और उनके व्याकरणिक प्रयोग कर सकेंगे। 5-परिनिष्ठित भाषा का लेखन,पठन और सीखने ,सिखाने में प्रयोग कर सकेंगे।			
4	Course Contents (not as running matter, should be points wisewith title of unit)		Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I			
	भाषा और व्याकरण –भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं ,व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व ,भाषा और व्याकरण का अन्तःसम्बन्ध ,ध्वनि,वर्ण,एवं मात्राएँ .		8	UNDERSTANDING
	Unit – II			
	शब्द परिचय –शब्दों के भेद –तत्सम ,तद्भव,देशज और विदेशी ,शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ –संज्ञा ,सर्वनाम,क्रिया(केवल परिभाषा एवं भेद),शब्द निर्माण-उपसर्ग ,प्रत्यय ,शब्द और पद में अन्तर ,शब्दगत अशुद्धियाँ .		8	CREATING
	Unit – III			
	व्याकरण व्यवहार –लिंग,वचन ,कारक		8	REMEMBERING
	Unit – IV			
	वाक्य परिचय –वाक्य के अंग ,उद्देश्य और विधेय,रचना के आधार पर वाक्य के भेद ,वाक्यगत अशुद्धियाँ		8	CREATING
	Unit – V			
	संधि और समास ,मुहावरे ,लोकोक्तियाँ		7	ANALYZING AND
5	REFERENCE BOOKS 1-हिन्दी व्याकरण और रचना विज्ञान 2-भाषिकी हिन्दी व्याकरण	AUTHORS गिरीश चन्द्र जैन प्रोफेसर रामलखन मीना	Edition, Year, Publisher 1990, राजकमल प्रकाशन 2021 राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी	PLACE दिल्ली जयपुर

	3-हिन्दी व्याकरण 4-हिन्दी शब्द-अर्थ- प्रयोग 5-आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	कामता प्रसाद गुरु डॉ हरदेव बाहरी वासुदेव नंदन प्रसाद सिंह	2018, प्रभात प्रकाशन 2021,अभिव्यक्ति प्रकाशन 2019 भारती भवन	दिल्ली प्रयागराज नयी दिल्ली

Program Name- BA III SEMESTER			
Status of Course & Credit: DSC Course -3 Credits			
Course Number & Title: **HIM 302 निबंध साहित्य**			
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. Week 13 per semester-L-3			
Total Lectures / Semester: 39			
1	Introduction:		
2	Objectives: (At least 5) 1: हिन्दी निबंध के उद्भव और विकास से परिचय 2: हिन्दी में निबंध लेखन के इतिहास से परिचय 3: निबंध की विभिन्न शैलियों की जानकारी 4: हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों की निबंध शैली के परिचय 5: खड़ी बोली में निबंध के सर्वांगीड़ समझ को विकसित करना		
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: खड़ी बोली में निबंध लेखन की विकास यात्रा से परिचय होगा प्रमुख निबंधकारों की निबंध शैली से परिचित होंगे निबंध की विभिन्न शैलियों से परिचित होंगे निबंधों के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी समीक्षात्मक विवेक विकसित होगा		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit –1.हिन्दी निबंध: उद्भव और विकास	10 pds	
	हिन्दी खड़ी बोली गद्य और निबंध का विकास निबंध का इतिहास निबंध के तत्त्व परिभाशाएँ विशेषता		

	Unit – 2. प्रारम्भिक निबंध			8 pds	
	(क) बालमुकुन्द गुप्त– शिव शम्भु के चिट्ठे, (ख) रामचन्द्र शुक्ल– श्रद्धा–भक्ति				
	Unit – 3. ललित निबंध			7 pds	
	(क) हजारी प्रसाद द्विवेदी–कुटज (ख) वि।निवास मिश्र–मेरे राम का मुकुट भीग रहा है				
	Unit – 4. साहित्यिक निबंध			7 pds	
	(क) हरिशंकर परसाई-भोलाराम का जीव (ख) नामवर सिंह- व्यापकता और गहराई				
	Unit – 5. हिन्दी निबंध का स्वरूप			7 pds	
	निबंध का स्वरूप और विभिन्न रूप, हिन्दी के प्रमुख निबंधकार, ललित निबंध एवं निबंधकार,				
5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE	
1.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास	राम स्वरूप चतुर्वेदी	2005, लोकभारती प्रकाशन	प्रयागराज	

Program Name- B.A (3rd Semester)	
Status of Course & Credit:- DSC Course (3 credits)	
Course Number &Title:- **HIM -303 हिंदी नाटक**	
Lectures/ Week: of 55 mnts. Each. [Week 13 per semester]: 3 per week	
Total Lectures / Semester: 39/ Semester	
	Introduction आधुनिक हिंदी साहित्य के साथ नयी उद्घाटित होती विधाओं की पृष्ठभूमि का अन्वेषण एवं अध्ययन। उन परिस्थितियों और प्रक्रिया का अध्ययन जिनके फलस्वरूप आधुनिक साहित्य प्रारंभ हुआ। प्रारंभिक हिन्दी नाटक में भारतीय सांस्कृतिक परंपरा से छात्रों का परिचय कराना। स्वतंत्रता के पश्चात हिन्दी नाटकों में परिवेश और आस्वादगत कालक्रमनुसार वैचारिक परंपरा एवं पृष्ठभूमि का अन्वेषण करना। हिन्दी एकांकी का अन्वेषण और उसके जीवनमूल्य की प्रासंगिता का नीर-क्षीर विवेचन।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य

	1. छात्रों को हिन्दी नाटक की परंपरा से परिचय कराना। 2. हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक युग भारतेन्दु युग से परिचित कराना। 3. उन प्रक्रिया और पृष्ठभूमि की समझ विकसित करना जिनके परिणामस्वरूप नयी विधाओं यथा-नाटक एवं एकांकी का उद्भव और विकास संभव हो सका। 4. स्वतंत्रता के पश्चात हिन्दी नाटकों में परिवेश, आस्वादगत और सार्थकता-सफलता जैसे चारित्रिक पैमानगत बिंदुओं को समझना। 5. आधुनिक हिन्दी नाटक के अतिरिक्त नयी विधा के रूप में हिन्दी की एकांकी का अध्ययन ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5) परिणाम 1. विद्यार्थी हिन्दी नाटक की परंपरा से परिचित हो सकेंगे । 2. छात्र आधुनिक हिन्दी नाटक के प्रारंभिक युग भारतेन्दु युग से परिचित हो सकेंगे। 3. छात्र उन प्रक्रिया और पृष्ठभूमि की समझ विकसित कर पायेंगे जिनके परिणाम स्वरूप नयी विधाओं यथा-नाटक एवं एकांकी का उद्भव और विकास संभव हो सका। 4. छात्र भारत की स्वतंत्रता के पश्चात हिन्दी नाटकों में परिवेशगत , आस्वादगत और सार्थकता-सफलता जैसे बिंदुओं की समझ विकसित कर सकेंगे। 5. छात्र आधुनिक हिन्दी नाटक के अतिरिक्त नयी विधा के रूप में हिन्दी एकांकी लेखन की प्रक्रिया का अध्ययन एवं अन्वेषण कर सकेंगे।

	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I		
	हिन्दी नाटक उद्भव और विकास, नाटक का स्वरूप, नाटक के तत्त्व , हिन्दी नाटक का विकास।	7 pds	Understanding
	Unit – II		
	दृश्य काव्य की विधाएं , नाटक विधागत परिचय, एकांकी विधागत परिचय, काव्य नाटिका विधागत परिचय।	(7 pds)	Understanding
	Unit – III		
	एकांकी - रामकुमार वर्मा , उपेन्द्र नाथ अश्क	(8 pds)	Creating
	Unit – IV		
	आधुनिक नाटक - आषाढ़ का एक दिन , मोहन राकेश।	(8 pds)	Analyzing
	Unit – V		
	प्रारंभिक हिन्दी नाटक - अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र	(9 pds)	Applying

5	REFERENCE BOOKS	Author	Edition, Year, Publisher	PLACE

a	भारतेन्दु -	रामविलास शर्मा		
b	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल		
c	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी	लोकभारती प्रकाशन 1999	इलाहाबाद

Program Name- B.A (III Semester)			
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 3credits			
CourseNumber&Title:**HIM-304 , संगोष्ठी एवं परिसंवाद**			
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-6 per week			
Total Lectures / Semester: 78 semester			
	Introduction: **HIM-301-सामान्य भाषा और व्याकरण, HIM 302-निबंध साहित्य, HIM 303 हिंदी नाटक** का मौखिक अध्ययन और प्रस्तुति की क्षमता का विकास।		
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन करना। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय की समझ विकसित करना । 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन करना ।		
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन प्राप्त होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. विषय की समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।		

Program Name- B.A (III Semester)
Status of Course & Credit: Project, Self study Apprenticeship, Course 1 credits
CourseNumber&Title:**HIM-305, लैब कोर्स-III**
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week
Total Lectures / Semester: 26/ semester

	Introduction: **HIM-301-सामान्य भाषा और व्याकरण, HIM 302-निबंध साहित्य, HIM 303 हिंदी नाटक** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. उच्चारण की शुद्धता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम से इतर सम्बंधित युग की रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. उच्चारण शुद्ध होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- BA/3RD SEMESTER	
Status of Course & Credit: DSC COURSE/ 3	
Course Number & Title:**HIM 401/कथा साहित्य**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-3	
Total Lectures / Semester:39	
1	Introduction: This paper aims to कहानी उपन्यास हिन्दी साहित्य की धरोहर हैं।इनका पठन पाठन केवल मनोरंजन ही नहीं करवाता अपितु जीवन मूल्यों से भी परिचित करवाता है।कहानी और मनुष्य का पुरातन सम्बन्ध है।चाहे पुराण परम्परा हो या आज की लम्बी और लघु कथाएँ ,प्रत्येक कथा कहानी जीवन रंगों ,जीवन मूल्यों,संवेदना और भाषाई कौशल की खान हैं।उपन्यास में यह विस्तार रूप प्राप्त करते हुए आगे बढ़ जाता है।वर्तमान हिन्दी साहित्य नए विमर्शों ,क्षेत्रों,अंतर अनुशासनिक गम्भीरताओं के साथ उत्तरोत्तर विकास कर रहा है।अतः सुधी पाठकों का साथ कथा साहित्य के साथ होना अतीव आवश्यक है।
2	Objectives: (At least 5) 1:हिन्दी साहित्य के चुनिन्दा कथा साहित्यकारों का परिचय करवाना । 2:कथा साहित्य के उद्भव और विकास से परिचित करवाना। 3:कथा साहित्य में वर्णित पात्रों एवं उनके चरित्र से परिचित करवाना एवं उनके द्वारा प्रदर्शित आदर्श को प्रस्तुत करना। 4:कथा साहित्य में प्रयुक्त भाषा एवं शैली से अवगत करवाना। 5: कथा साहित्य के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पना शीलता का विकास करना।
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: 1 हिन्दी के कथा साहित्य से परिचित हो सकेंगे। 2 कथा साहित्य में निहित संवेदना और शिल्प से परिचित हो सकेंगे।

	3 कथा साहित्य के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी हिन्दी की अन्य विधाओं को पढने के लिए भी प्रेरित हो सकेंगे। 4 कथा साहित्य में निहित मूल्यों और सद्चरित्र से लाभान्वित हो सकेंगे। 5 विद्यार्थी हिन्दीतर साहित्य को पढने हेतु प्रेरित हो सकेंगे।				
4	Course Contents (not as running matter, should be points wisewith title of unit)			Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I				
	हिन्दी उपन्यास :उद्भव और विकास –हिन्दी के प्राम्भिक उपन्यास ,उपन्यास के वकास में प्रेमचंद का योगदान ,स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी उपन्यास ,समकालीन उपन्यास की विशेषताएं।			8	UNDERSTANDING
	Unit – II				
	उपन्यास –महाभोज –मन्नू भंडारी (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)			8	ANALYZING
	Unit – III				
	हिन्दी कहानी :उद्भव और विकास –हिन्दी की प्रमभिक कहानियाँ ,प्रेमचंद युगीन कहानी ,स्वातंत्रयोत्तर कहानी ,नयी कहानी ,प्रमुख कहानी आन्दोलन ,हिन्दी के प्रमुख कहानी कार।			8	REMEMBERING
	Unit – IV				
	कहानियां –उसने कहा था –चन्द्र धर शर्मा गुलेरी ,कफ़न –प्रेमचंद ,पत्नी-जैनेन्द्र।			8	UNDERSTANDING &CREATING
	Unit – V				
	कहानियां –ठेस ,परिंदे-निर्मल वर्मा, सलाम –ओमप्रकाश वाल्मीकि।			7	UNDERSTANDING&CREATING
5	REFERENCE BOOKS 1-हिंदी उपन्यास का इतिहास 2-हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार 3-स्वातंत्रयोत्तर कहानी का परिदृश्य और फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियाँ, 4- नयी कहानी : पुनर्विचार	AUTHOR(s) गोपाल राय द्वारिका प्रसाद सक्सेना विद्यासिन्हा	Edition, Year, Publisher2014 राजकमल प्रकाशन, 2004 विश्वभारती पब्लिकेशन्स, 2007 वाणी प्रकाशन,	PLACE नयी दिल्ली, नयी दिल्ली, नयी दिल्ली, नयी दिल्ली,	

	5- हिंदी कहानी : अतरंग पहचान	मधुरेश रामदरश मिश्र	1999 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 1986 वाणी प्रकाशन	नयी दिल्ली

Program Name- BA			
Status of Course & Credit: DSC Course (3 Credits)			
Course Number & Title: **HIM 402 प्रयोजनमूलक हिन्दी**			
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]:			
Total Lectures / Semester: 39			
1	Introduction: प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के कार्यालयी उपयोग और कौशल विकास से संबन्धित स्वरूप से परिचित कराना है। हिन्दी भाषा का साहित्य और संपर्क भाषा के अलावा कार्यालयी माध्यम के रूप में उसके उपयोग के विभिन्न स्थितियों से परिचित होना है।		
2	Objectives: 1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के सिद्धान्त और स्वरूप से परिचय कराना 2. हिन्दी भाषा के विभिन्न स्वरूपों से परिचय 3. कार्यालयी एवं गैर कार्यालयी पत्र लेखन के बारे में जानकारी 4. कार्यालयी लेखन के विभिन्न रूपों के बारे में जानकारी 5. संचार और उसके विभिन्न रूपों के लिए लेखन		
3	1. Course Outcomes: 2. हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे 3. हिन्दी भाषा के विभिन्न स्वरूपों का अभ्यास करना 4. हिन्दी भाषा के मौजूदा स्वरूप की जानकारी प्राप्त करना 5. कार्यालयी एवं गैर कार्यालयी उपयोग सीख सकेंगे 6. संचार माध्यमों के लिए हिन्दी के उपयोग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I प्रयोजनमूलक हिन्दी		
	अवधारणा सिद्धान्त स्वरूप कार्यालयी हिन्दी	8	Understanding

	मानकीकरण		
	Unit – II भाषा का स्वरूप		
	राजभाषा राष्ट्रभाषा संपर्क भाषा संचार भाषा सर्जनात्मक भाषा	8	Understanding
	Unit – III पत्र लेखन		
	कार्यालयी पत्र गैर कार्यालयी पत्र	8	Applying
	Unit – IV कार्यालयी लेखन		
	संक्षेपण पल्लवन टिप्पणी प्रारूप पारिभाषिक शब्दावली	8	Applying
	Unit – V संचार एवं संचार माध्यम के लिए लेखन		
	संचार के प्रकार प्रिंट माध्यम के लिए लेखन इलेक्ट्रोनिक माध्यम के लिए लेखन ईमेल एवं अन्य	7	Creating

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
	प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका	कैलाशनाथ पाण्डेय	2007	लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
	प्रयोजनमूलक हिन्दी	डॉ एस मंजुनाथ	2022	नोशन प्रेस, चेन्नई
	प्रयोजनमूलक हिन्दी	दंगल झाल्टे	2016	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
	प्रयोजनमूलक हिन्दी	विनोद गोदरे	2024	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
	प्रयोजनमूलक हिन्दी	सूर्य प्रसाद दीक्षित	2020	केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

Program   Name - B.A (4th Semester)
Status of Course & Credit: DSC Course   (3 credits)
Course Number &Title: **HIM -403- काव्यांग विवेचन**
Lectures/ Week: of 55 mnts. Each. [Week 13 per semester]: L-3 per week
Total Lectures / Semester: 39 / Semester

	Introduction प्राचीन संस्कृत वांगमय एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य के विवेचन की शास्त्रीय पद्धति का अन्वेषण और उन्मूलन इस अध्ययन का मुख्य ध्येय है। प्राचीन वांगमय से लेकर आधुनिक हिन्दी साहित्य तक शास्त्रीय पद्धति से साहित्य के मूल्यांकन की यह परंपरा बहुत हि समृद्ध रही है। इसके अंतर्गत काव्य का स्वरूप, काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रमुख भेद , दृश्य काव्य – नाटक , श्रव्य काव्य –महाकाव्य, खंडकाव्य , मुक्तक काव्य का सामान्य परिचय है। साथ ही शब्द शक्ति- परिभाषा एवं भेद, अभिधा , लक्षणा , व्यंजना , काव्य के गुण एवं दोष ,लक्षणा एवं भेद। प्रमुख अलंकारों की परिभाषा एवं उदाहरण, प्रमुख छंद-दोहा, सोरठा, चौपाई , कुंडलियाँ, कवित्त और सैवया, छंदमुक्त कविता ,प्रगीत। रस के तत्व, परिभाषा एवं भेड़ , उदाहरण सहित इन शास्त्रीय विवेचना को समझाया जाता है।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. छात्रों को प्राचीन संस्कृत वांगमय एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य के विवेचन की शास्त्रीय पद्धति का अन्वेषण और विवेचन को समझ पाएंगे। 2. प्राचीन वांगमय से लेकर आधुनिक हिन्दी साहित्य तक शास्त्रीय पद्धति से साहित्य के मूल्यांकन की यह परंपरा बहुत ही समृद्ध रही है , छात्रों को इसका ज्ञान होना चाहिए। 3. छात्रों को इस शास्त्रीय विवेचन पद्धति के अंतर्गत काव्य का स्वरूप , काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रमुख भेद ,–दृश्य काव्य – नाटक , श्रव्य काव्य –महाकाव्य, खंडकाव्य , मुक्तक काव्य का सामान्य परिचय समझाया गया है। 4. इस अध्ययन के अंतर्गत छात्रों में शब्द शक्ति- परिभाषा के भेद, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना , काव्य के गुण एवं दोष ,लक्षणा एवं भेद की समझ विकसित की गयी है। 5. छात्रों को विस्तार से अलंकारों की परिभाषा एवं उदाहरण, –प्रमुख छंद-दोहा, सोरठा, चौपाई ,कुंडलियाँ,कवित्त और सैवइया, छंदमुक्त कविता ,प्रगीत एवं रस के तत्व , परिभाषा सहित इन शास्त्रीय विवेचना को समझाया गया है।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5) परिणाम 1. छात्रों को प्राचीन संस्कृत वांगमय एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य के विवेचन की शास्त्रीय पद्धति का अन्वेषण और विवेचन की प्रक्रिया को समझ पाएंगे। 2. प्राचीन वांगमय से लेकर आधुनिक हिन्दी साहित्य तक शास्त्रीय पद्धति से साहित्य के मूल्यांकन की यह परंपरा बहुत ही समृद्ध रही है, छात्रों को इसका ज्ञान हो सकेगा । 3. छात्रों को इस शास्त्रीय विवेचन पद्धति द्वारा काव्य स्वरूप , काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रमुख भेद ,–दृश्य काव्य – नाटक , श्रव्य काव्य –महाकाव्य, खंडकाव्य , मुक्तक काव्य की सामान्य समझ का विकास हो पाएगा। 4. इस अध्ययन से छात्रों में शब्द शक्ति- परिभाषा के भेद, अभिधा , लक्षणा , व्यंजना , काव्य के गुण एवं दोष ,लक्षणा एवं भेद की समझ विकसित हो सकेगी । 5. छात्रों को विस्तार से अलंकारों की परिभाषा एवं उदाहरण, प्रमुख छंद-दोहा, सोरठा, चौपाई ,कुंडलियाँ,कवित्त और सैवइया, छंदमुक्त कविता ,प्रगीत एवं रस के तत्व , परिभाषा सहित इन शास्त्रीय विवेचना को समझाया गया है।

	Course Contents (not as running matter, should be pointwise with Title of Unit	Period	Bloom's Taxonomy Learning outcome

		Number of Lecture(s)	
	Unit – I		
	क – काव्य का स्वरूप , ख – काव्य हेतु , ग – काव्य प्रयोजन ।	9 pds	Understanding
	Unit – II		
	काव्य के प्रमुख भेद , क -दृश्य काव्य – नाटक का सामान्य विवेचन। ख –श्रव्य काव्य –महाकाव्य, खंडकाव्य , मुक्तक काव्य - सामान्य परिचय	8 pds	Understanding
	Unit – III		
	शब्द शक्ति- परिभाषा एवं भेद, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना , काव्य के गुण एवं दोष ,लक्षणा एवं भेद।	8 pds	Creating
	Unit – IV		
	क – अलंकार –प्रमुख अलंकारों की परिभाषा एवं उदाहरण- यमक , श्लेष, रुपक , उत्प्रेक्षा ,वक्रोक्ति ,अतिशयोक्ति , समासोकति, विभावना, मानवीकरण। -ख छंद – मात्रा,गण,लय और यति। ग – प्रमुख छंद-दोहा, सोरठा, चौपाई, कुंडलियाँ, कवित्त और सवइया, छंदमुक्त कविता, प्रगीत।	7 pds	Analyzing
	Unit – V		
	रस के तत्व , परिभाषा एवं भेद ,उदाहरण। क- रस के अवयव ,स्थायी भाव , विभाव,अनुभाव,एवं संचारी भाव। ख- नवरस परिभाषा एवं भेद उदाहरण सहित।	7 pds	Applying

5	REFERENCE BOOKS	Auther	Edition, Year, Publisher	PLACE
a	भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी		
b	काव्यांग विवेक	देवेन्द्र त्यागी	2005 वाणी प्रकाशन ,	नयी दिल्ली

Program Name- B.A (IV Semester)
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 3credits
CourseNumber&Title:**HIM-404 , संगोष्ठी एवं परिसंवाद**
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-6 per week

Total Lectures / Semester: 78 semester	
	Introduction: **HIM 401-कथा साहित्य, HIM 402-प्रयोजन मूलक हिंदी, HIM 403-काव्यांग विवेचन** का मौखिक अध्ययन और प्रस्तुति की क्षमता का विकास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन करना। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय की समझ विकसित करना । 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन प्राप्त होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. विषय की समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A (IV Semester)	
Status of Course & Credit: Project, Self study Apprenticeship, Course 1 credits	
CourseNumber&Title:**HIM-405, लैब कोर्स-IV**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week	
Total Lectures / Semester: 26/ semester	
	Introduction: **HIM 401-कथा साहित्य, HIM 402-प्रयोजन मूलक हिंदी, HIM 403-काव्यांग विवेचन** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. उच्चारण की शुद्धता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम से इतर सम्बंधित युग की रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. उच्चारण शुद्ध होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है।

	4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A.(V)			
Status of Course & Credit: DSC Major/Minor Course (4 credits)			
Course Number & Title: **आरंभिक हिंदी काव्य (आदिकाल से रीतिकाल तक) 501/511**			
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]L- 4 per week			
Total Lectures / Semester: 52 per semester			
1	Introduction: साहित्यिक ज्ञान में वृद्धि : आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य के अध्ययन से आपको हिन्दी साहित्य के आरंभिक दौर की समझ मिलती है, जिससे आपका साहित्यिक ज्ञान समृद्ध होता है।		
2	Objectives: आदिकालीन भक्ति क़ालीन एवं रीतिकालीन काव्य पेपर के पठन-पाठन के पाँच उद्देश्य निम्न हैं- आरंभिक, भक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी काव्य की ऐतिहासिक अवधारणा, नामकरण, पृष्ठभूमि को विस्तार से समझना। आरंभिक, भक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी काव्य के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का अध्ययन। आरंभिक हिन्दी काव्य की विशेषताओं और भक्ति एवं रीति के सिद्धांतों का विश्लेषण आरंभिक, भक्ति एवं रीति काव्य के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रभाव का अध्ययन। आरंभिक, भक्ति एवं रीति काव्य के महत्त्व और प्रासंगिकता का मूल्यांकन।		
3	Course Outcomes साहित्यिक विश्लेषण और समीक्षा में महारथ हासिल करेंगे। साहित्यिक अनुसंधान में योगदान देंगे। साहित्यिक क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे। साहित्यिक ज्ञान को समाज में प्रसारित करेंगे। विश्व के सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात् हिन्दी में योजगार कौशल प्राप्त करेंगे। हिन्दी साहित्य में कुछ नौकरियाँ निम्नलिखित हैं, जो आपके लिये मददगार हो सकती हैं- केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और ई हिन्दी अधिकारी, हिन्दी भाषा एवं प्रयोग संबंधी अनुसंधान में योगदान, हिन्दी अनुवादक, हिन्दी सहायक, प्रबंधक आदि।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Perio Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I		
	आदिकालीन कवि सरहपा, चंदबरदाई (चयनित अंश)	(12 pds)	समझ एवं विचारात्मक चिंतन।
	Unit – II		

	रैदास, जायसी (चयनित अंश)	(10 pds)	समझ एवं अनुकरण, नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य।
	Unit – II		
	मीरा, सूरदास (चयनित अंश)	(10 pds)	समझ एवं अनुकरण, नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य।
	Unit – IV		
	घनानंद, भूषण (चयनित अंश)	(10 pds)	समझ एवं अनुकरण, नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य।
	Unit – V		
	सेनापति, मतिराम (चयनित अंश)	(10 pds)	समझ एवं अनुकरण, नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य।

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	1947 किताब महल प्रयागराज	यू.पी.
2.	हिन्दी काव्य का इतिहास	डॉ. नगेन्द्र	1955 हिन्दी साहित्य सम्मेलन	प्रयागराज यू.पी.
3.	आदिकालीन हिन्दी काव्य	डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	1962भारती भावना प्रकाशन	प्रयागराज यू.पी.
4.	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य	डॉ. रामचंद्र तिवारी	1964 हिन्दी साहित्य सम्मेलन	प्रयागराज यू.पी.
5.	रीतिकालीन हिन्दी काव्य	डॉ. देवराज	1965 भारती भावना प्रकाशन	प्रयागराज यू.पी.
6.	हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	डॉ .हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	1967 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
7.	हिन्दी काव्य में भक्ति आंदोलन	डॉ. शिवप्रसाद सिंह	1972 मोतीलाल बनारसी दास	नई दिल्ली

8.	रीति काव्य की काव्य शैली	डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी	1975 हिन्दी साहित्य सम्मेलन	प्रयागराज यू.पी.
9.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य का सामाजिक अध्ययन	डॉ. रामविलास शर्मा	1982 भारती भावना प्रकाशन	प्रयागराज यू .पी.
10.	हिन्दी साहित्य का विकास	डॉ नंदकिशोर नवल	1995 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
11.	हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास	डॉ. रामविलास शर्मा	2015 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
12.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य : एक नवीन दृष्टिकोण	डॉ. विजय कुमार शर्मा	2017 भारती भावना प्रकाशन	प्रयागराज यू.पी.
13.	भक्ति क़ालीन हिन्दी काव्य : एक समीक्षात्मक अध्ययन	डॉ. शिव कुमार मिश्र	2018 हिन्दी साहित्य सम्मेलन	प्रयागराज यू.पी.
14.	रीतिकालीन हिन्दी काव्य : एक नवीन विश्लेषण	डॉ. रमेश चंद्र शुक्ल	2019 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
15.	आदिकालीन हिन्दी काव्य में सामाजिक चेतना	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी	2020 भारती भावना प्रकाशन	प्रयागराज यू.पी.
16.	भक्ति आंदोलन और हिन्दी साहित्य	डॉ. शिवप्रसाद सिंह	2021हिन्दी साहित्य सम्मेलन	प्रयागराज यू .पी.
17.	रीतिकाल की काव्य शैली : एक नवीन विश्लेषण	डॉ. देवराज	2022मोतीलाल बनारसीदास	दिल्ली

18.	हिन्दी साहित्य का विकास : एक नवीन दृष्टिकोण	डॉ. रामविलास शर्मा	2022 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
19	घनानन्द	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	2021 साहित्य सरोवर	यू .पी.
20.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य में सांस्कृतिक चेतना	डॉ. विजय कुमार शर्मा	2023भारती भावना प्रकाशन	प्रयागराज यू .पी.
21	सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल	2022 वाणी प्रकाशन	दिल्ली
22	जायसी का मूल्यांकन	रामचन्द्र शुक्ल	2017 साहित्यागार	जयपुर
23	मीराबाई पदावली	परशुराम चतुर्वेदी	1960 हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज	प्रयागराज यू.पी.
24	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	हजारीदास प्रसाद द्विवेदी	2015 राजकमल प्रकाशन	दिल्ली

Program Name- BA-V Semester	
Status of Course & Credit: DSC Major Course (Credits-3)	
Course Number & Title: **HIM 502 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]:L-3 Credit	
Total Lectures / Semester: 39	
1	Introduction: प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के उद्भव और हिन्दी साहित्य लेखन की प्रारम्भिक परंपरा से परिचित कराना है। हिन्दी साहित्य के सम्पूर्ण इतिहास की जानकारी एवं इतिहास लेखन की परंपरा का ज्ञान प्राप्त करना।
2	Objectives: 1: हिन्दी भाषा के उद्भव की जानकारी 2: हिन्दी साहित्य में इतिहास लेखन की परंपरा से परिचय 3: विभिन्न कालों की प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवियों का परिचय 4: भक्ति काल के उदय और भक्ति आंदोलन का परिचय

	5: रीतिकाल का परिचय		
3	Course Outcomes • 1: हिन्दी भाषा के उद्भव की स्थितियों को जान सकेंगे 2: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का परिचय प्राप्त कर सकेंगे 3: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का ज्ञान होगा 4: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याओं की समझ विकसित होगी 5: हिन्दी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालों की विस्तृत जानकारी हो सकेगी		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I साहित्येतिहास लेखन	10	
	इतिहास, साहित्येतिहास और इतिहास दर्शन हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा हिंदी साहित्य- काल विभाजन और नामकरण समस्या आदिकाल का धार्मिक(सिद्ध ,नाथ और जैन), लौकिक साहित्य एवं रासो परंपरा		Remembering:
	Unit – II आदिकाल	6	
	आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियां प्रमुख कवि एवं रचनाएं		Remembering:
	Unit – III भक्ति आंदोलन	8	
	भक्तिकाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप उद्भव और विकास प्रमुख संप्रदाय भक्ति काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना		Understanding
	Unit – IV भक्ति काव्य	10	
	भक्तिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियां संत काव्य परंपरा सूफी प्रेमाख्यानक कृष्ण भक्ति परंपरा राम भक्ति परंपरा		Remembering:
	Unit –V रीति काव्य	5	
	रीतिकालीन परिवेश काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां वर्गीकरण-रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीति सिद्ध)		Understanding

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	2020	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेंद्र	2022	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
	हिन्दी साहित्य की भूमिका	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	2017	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ बच्चन सिंह	2000	राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रयागराज
	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी	2018	लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

Program Name- B.A (V Semester)	
Status of Course & Credit: DSC Major/Minor Course (4 credits)	
CourseNumber&Title: HIM -503/512, आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद और प्रगतिवाद) - भाग - 1	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: 4 per week	
Total Lectures / Semester: 52 per semester	
	Introduction:- हिंदी साहित्य में सकारात्मक काव्य के मूल्य और सांस्कृतिक परंपरा से छात्रों का परिचय कराना। हिन्दी कविता की कालक्रमनुसार वैचारिक परंपरा एवं पृष्ठभूमि का अन्वेषण करना। उसके जीवनमूल्य की प्रासंगिता का नीर क्षीर विवेचन।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य छात्रों को हिन्दी काव्य परंपरा से परिचय कराना। हिन्दी काव्य परंपरा के महत्वपूर्ण एवं सार्थक रचनाकारों एवं ग्रंथों अध्ययन। विभिन्न वैचारिक सारणियों का अध्ययन एवं ग्राह्य क्षमता विकसित करना। छात्रों को पारंपरिक सांस्कृतिक ज्ञान परंपरा से समृद्ध करना। साहित्य एवं समाज के नाभिनालबद्धता की समझ विकसित करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5) परिणाम

	1. विद्यार्थी हिन्दी काव्य परंपरा को समझ सकेंगे । 2. विद्यार्थी हिन्दी की भारतीय ज्ञान परंपरा के बारें में समझ विकसित कर सकेंगे। 3. छात्र विभिन्न वैचारिक सारणियों का अध्ययन करके ग्राह्य क्षमता विकसित कर पाएंगे। 4. छात्र पारंपरिक सांस्कृतिक ज्ञान परंपरा से समृद्ध हो सकेंगे। 5. छात्रों की साहित्य एवं समाज के संदर्भ में नाभिनालबद्धता की समझ विकसित हो सकेगी।		
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I		
	खड़ी बोली हिन्दी कविता का विकास - आधुनिक हिन्दी कविता ,खड़ी बोली कविता का विकास ,नवजागरण युगीन चेतना, छायावाद की प्रव्रतियाँ,, रहस्यवाद , प्रगतिवाद।	12 pds	Understanding
	Unit – II		
	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला , सुमित्रानंदन पंत	(10 pds)	Understanding
	Unit – III		
	महादेवी वर्मा , जयशंकर प्रसाद	(10 pds)	Creating
	Unit – IV		
	नागार्जुन , केदारनाथ अग्रवाल	(10 pds)	Analyzing
	Unit – V		
	त्रिलोचन , शमशेर बहादुर सिंह	(10 pds)	Applying

Program Name- B.A.-V	
Status of Course & Credit: 3 DSC Major HIM 504	
Course Number & Title :लोक साहित्य	
Lectures/ Week: of 55 mts each 3 per week [Week 13 per semester]: L-3 per week	
Total Lectures / Semester: 39	
1	Introduction: This paper aims to लोक साहित्य का अध्ययन भारत की प्राचीनतम परम्पराओं, प्रसंगों, और श्रुति परम्परा को समझने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय साहित्य में 'लोक' शब्द बहुत प्राचीन काल से प्रयुक होता चला आ रहा है। व्यवहारिक रूप में 'लोक' शब्द का प्रयोग संपूर्ण जनमानस के लिए होता है।पुरुष सूक्त में 'लोक' शब्द का प्रयोग 'स्थान' तथा 'जीव' के अर्थ में प्रकट करने के लिए किया गया है। लोक साहित्य, लोक संस्कृति, लोक वार्ता,

	लोक विशवास, लोक रिवाज़ का संपूर्ण अध्ययन और विश्लेषण लोक साहित्य के अंतर्गत ही संभव है। लोक जीवनं से जुड़े विश्वास, मिथक, परंपरा और प्रवृत्तियों का ज्ञान लोक साहित्य ही करता है।		
2	Objectives: (At least 5) भारत के प्रान्तों के लोक साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त करना। लोक रीति , विश्वास, परम्परा आदि की विस्तृत जानकारी करवाना। मौखिक और लिखित परंपरा के साहित्य में उचित अंतर को स्पष्ट करना। लोक साहित्य के अध्ययन में आधुनिक संदर्भों का ज्ञान करवाना। लोक साहित्य के संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रेरणाओं की स्थापना करवाना		
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: भारतीय लोक साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। साहित्य के लिखित और अलिखित स्वरुप का उचित विश्लेषण कर सकेंगे। अपने प्रान्त विशेष के लोक साहित्य के प्रति सद्भाव एवं सहृदयगत सम्बन्ध का विकास कर सकेंगे। लोक साहित्य के संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रयासशील हो सकेंगे। लोक साहित्य का अद्यतन विश्लेषण कर पाएंगे।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wisewith title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I		
	लोक साहित्य –शिष्ट साहित्य और लोक साहित्य में अंतर ,लोक और शास्त्र का द्वंद्व ,लोक साहित्य की विशेषता ,हिन्दी साहित्य में लोक का महत्त्व	8	ANALYZING
	Unit – II		
	लोक साहित्य की अवधारणा –परिभाषाएं एवं व्यापकता,क्षेत्र, सामाजिक विज्ञानों से लोक साहित्य का सम्बन्ध,नए ज्ञानानुशासनों के अध्ययन में सहयोग	8	UNDERSTANDING
	Unit – III		
	लोक साहित्य के प्रकार –लोक कथा ,लोक गीत ,लोकगाथा ,लोक कलाएं एवं लोक संस्कृति ,लोक नाटी परम्परा ,लोकोक्तियाँ	7	CREATING
	Unit – IV		
	लोक साहित्य का विकास –समकालीन महत्त्व ,लोक साहित्य का विस्तार ,हिन्दी साहित्य के विकास में लोक का महत्त्व ,लोक साहित्य में सामाजिक विषमता का चित्रण .	8	UNDERSTANDING

	Unit – V				
	ब्रज लोक साहित्य –ब्रजभाषा का विकास एवं स्वरूप ,ब्रजभाषा का लोक साहित्य एवं संस्कृति .			8	ANALYZING
5	REFERENCE BOOKS १-लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग २- लोक गीत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	AUTHOR(s) श्री राम शर्मा विद्या चौहान	Edition, Year,Publisher 2020 विनोद पुस्तक मंदिर, 1972 प्रगति प्रकाशन	PLACE आगरा. आगरा.	

Program Name- B.A (V Semester)
Status of Course & Credit: Project, Self study Apprenticeship, Course 2 Credits
CourseNumber&Title:**HIM-505-PROJECT**
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 per week
Total Lectures / Semester: 52 / semester

	Introduction: **HIM 501-आरंभिक हिंदी काव्य(आदिकाल से रीति काल तक), HIM 502- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीति काल तक), HIM 503-आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद से प्रगतिवाद तक), HIM 504-लोक साहित्य** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. परियोजना बनाने की क्षमता, और प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम से इतर सम्बंधित युग की रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. परियोजना बनाने की क्षमता, और प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A (V Semester)	
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 1 Credits	
CourseNumber&Title:**HIM-506, संगोष्ठी एवं परिसंवाद**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week	
Total Lectures / Semester: 26 semester	
	Introduction: **HIM 501-आरंभिक हिंदी काव्य(आदिकाल से रीति काल तक), HIM 502- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीति काल तक), HIM 503-आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद से प्रगतिवाद तक), HIM 504-लोक साहित्य** का मौखिक अध्ययन और प्रस्तुति की क्षमता का विकास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन करना। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय की समझ विकसित करना । 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन प्राप्त होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. विषय की समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A.	
Status of Course & Credit: DSC Major/Minor (Credits: 4)	
Course Number & Title: HIM 601/611 आधुनिक हिंदी कविता -2	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]:L-4 per week	
Total Lectures / Semester: 52	
1	Introduction: प्रस्तुत पाठ्यक्रम से आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख आंदोलनों और उनकी पृष्ठभूमि का पता चल सकेगा। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से प्रयोगवाद से लेकर समकालीन कविता तक के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन किया जा सकेगा।

2	Objectives: हिन्दी कविता के क्रमिक विकास से परिचित होना। हिन्दी कविता के प्रमुख आंदोलनों से परिचित होना। आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख कवियों से परिचित होना। समकालीन कविता के विविध अवयवों से परिचय होना। स्त्री एवं दलित कविता की विशेषता से अवगत होना।				
3	Course Outcomes: हिन्दी कविता का इतिहास एवं विकास से परिचित होंगे। कविता के प्रभाव से परिचित होंगे। प्रमुख कवियों से परिचित होंगे। स्त्री एवं दलित कविता की विशेषता से अवगत हो सकेंगे। कविता के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।				
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)			Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I कविता आंदोलन				
	प्रयोगवाद नई कविता साठोत्तरी कविता समकालीन कविता का विकासात्मक अध्ययन, प्रमुख प्रवृत्तियाँ			12	
	Unit – II कवि परिचय			10	
	अज्ञेय-कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- भेड़िया, भूख				
	Unit – III कवि परिचय			10	
	रघुवीर सहाय-रामदास, हमारी हिन्दी केदार नाथ सिंह- नूर मियां, बनारस				
	Unit – IV कवि परिचय			10	
	दुष्यंत कुमार- तुम्हारे पाँवों के नीचे कोई ज़मीन नहीं, हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए वीरेन डंगवाल- उजले दिन ज़रूर, इतने भले नहीं बन जाना साथी				
	Unit – V कवि परिचय			10	
	अनामिका-स्त्रियाँ बेजगह, जयप्रकाश कर्दम-लालटेन, वर्णवाद का पहाड़ा				
5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE	

	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ बच्चन सिंह	2007	लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेंद्र	2022	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
	आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास	नन्द किशोर नवल	2022	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
	हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि	द्वारिका प्रसाद सक्सेना	2022	विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी	2018	लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

Program Name- B.A (VI Semester)	
Status of Course & Credit: Major Course (3 Credits)	
CourseNumber&Title: **HIM -602- कथेतर गद्य**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: 3 per week	
Total Lectures / Semester: 39 per semester	
	Introduction: हिंदी साहित्य के अंतर्गत, हिंदी की मुख्य विधाओं के अतिरिक्त भी हिंदी के आधुनिक काल के प्रारंभ के साथ ही कुछ नयी विधाओं महत्वपूर्ण विधाओं का प्रारंभ हुआ। ये विधाएं हिंदी की परंपरागत विधाओं से इतर थी, किन्तु इन विधाओं के माध्यम से आधुनिक काल के रचनाकारों ने बदली हुयी परिस्थितियों में बदली हुई संवेदनाओं को अभिव्यक्त किया। यह अभिव्यक्ति गद्य विधा में अधिक अभिव्यक्त हुई। इन्हें कथेतर गद्य कहा गया। ऐसी बहुत सी गद्यात्मक विधाओं में सकारात्मक मूल्य और सांस्कृतिक परंपरा से छात्रों का परिचय कराना। इनकी वैचारिक परंपरा एवं पृष्ठभूमि का अन्वेषण करना।उसके जीवनमूल्य की प्रासंगिता का नीर क्षीर विवेचन।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. छात्रों को हिन्दी की कथेतर गद्य परंपरा से परिचय कराना। 2. आधुनिक हिन्दी कथेतर गद्य परंपरा के महत्वपूर्ण एवं सार्थक रचनाकारों एवं ग्रंथों अध्ययन। 3. कथेतर के अंतर्गत विभिन्न वैचारिक सारणियों का अध्ययन एवं ग्राह्य क्षमता विकसित करना। 4 छात्रों को आधुनिक कथेतर गद्य की सांस्कृतिक एवं संवेदनात्मक ज्ञान परंपरा से समृद्ध करना। 5 साहित्य एवं समाज के नाभिनालबद्धता की समझ विकसित करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5) परिणाम 1. छात्रों को हिन्दी की कथेतर गद्य परंपरा से परिचय कराना। 2. आधुनिक हिन्दी कथेतर गद्य परंपरा के महत्वपूर्ण एवं सार्थक रचनाकारों एवं ग्रंथों अध्ययन। 3. कथेतर गद्य के अंतर्गत विभिन्न वैचारिक सारणियों का अध्ययन एवं ग्राह्य क्षमता विकसित करना।

	4 छात्रों को आधुनिक कथेतर गद्य की सांस्कृतिक एवं संवेदनात्मक ज्ञान परंपरा से समृद्ध करना। 5 साहित्य एवं समाज के नाभिनालबद्धता की समझ विकसित करना ।		
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I		
	इकाई 1- हिंदी का कथेतर गद्य - आरंभ , अवधारणा ,प्रमुख विधाएं :उद्भव और विकास (जीवनी/आत्मकथा,यात्रा-वृतांत,रिपोर्ताज ,डायरी, रेखाचित्र-संस्मरण।	12 pds	Understanding
	Unit – II		
	इकाई 2- जीवनी-आवारा मसीहा -विष्णु प्रभाकर (विद्यार्थी संस्करण)	(10 pds)	Understanding
	Unit – III		
	इकाई 3: आत्मकथा- मुर्दहिया- तुलसीराम	(10 pds)	Creating
	Unit – IV		
	इकाई 4- यात्रा-वृत्तांत /डायरी -राहुल सांकृतायन , मलयज	(10 pds)	Analyzing
	Unit – V		
	इकाई 5- रेखाचित्र / संस्मरण - महादेवी वर्मा (गुरुदेव ठाकुर), घर का जोगी जोगणा (काशीनाथ सिंह)	(10 pds)	Applying

Program Name- B.A. VI Semester	
Status of Course & Credit:-DSC Major/Minor /4 Credit	
Course Number & Title:-HIM 603/612 हिंदी नाटक और रंगमंच	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4	
Total Lectures / Semester: 52	
1	Introduction: This paper aims to नाटक मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है और रंगमंच संवेदनाओं को रसिक तक पहुंचाने का समर्थ साधन है। अपने मनोभावों और वचारों को उचित सम्प्रेषण का एकमात्र साधन नाटक है।इस साधन के दृश्य होने का अर्थ रंगमंच है। रंगमंच जीवन की सभी मूर्त अमूर्त घटनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत करने का माध्यम है। नेमीचन्द्र जैन ने रंगमंच के सम्बन्ध में लिखा है–रंगमंच कलात्मक अभिव्यक्ति का ऐसा माध्यम है जिसमे मनोरंजन का अंश अन्य कलाओं की तुलना में सर्वाधिक है, साथ ही रंगमंच जीवन और जगत की व्याख्या करता है।
2	Objectives: (At least 5) नाटक और रंगमंच के स्वरुप से परिचय करवाना। नाटक और रंगमंच के इतिहास और हिन्दी में नाटक की स्थिति से परिचित करवाना। हिन्दी के प्रमुख नाटकों का अध्ययन और उनकी अभिनेयता से परिचित करवाना।

	नाटक के प्रमुख लक्षणों,सिद्धांतों एवं समकालीन परिदृश्यों से परिचित करवाना। प्रमुख नाटककारों एवं रंग व्यक्तित्वों से परिचित करवाना।				
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: नाटक एवं रंगमच के पूर्ण स्वरुप से परिचित हो सकेंगे। नाटक में निहित मूल संवेदनाओं और उसके मूल्यों से प्रभावित हो सकेंगे। रंगमच और रंगमंचीयता के प्राचीन और आधुनिक स्वरुप को जान सकेंगे। प्रमुख रंग व्यक्तित्वों के रंग कर्म से परिचित हो सकेंगे। नाटकों के अध्ययन और रंगमंच की जानकारी के उपरान्त नाटकों को रंगमंच पर भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करने को प्रेरित हो सकेंगे।				
4	Course Contents (not as running matter, should be points wisewith title of unit)			Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I				
	हिन्दी नाटक का इतिहास ,नाटक के तत्त्व,रंगमंच ,पारसी रंगमंच ,रंगमंचीयता			12	REMEMBERING
	Unit – II				
	रस सिद्धांत, लोक नाट्य, आधुनिक रंगमंच, नुक्कड़, कहानी, प्रमुख रंग व्यक्तित्त्व।			10	UNDERSTANDING
	Unit – III				
	चन्द्रगुप्त –जयशंकर प्रसाद			10	ANALYZING&CREATING
	Unit – IV				
	अंधा युग –धर्मवीर भारती			10	ANALYZING&CREATING
	Unit – V				
	आगरा बाज़ार –हबीब तनवीर .			10	ANALYZING&CREATING
5	REFERENCE BOOKS 1.नाटक ,रंगमंच और मोहन राकेश 2.समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच 3.आधुनिक हिन्दी नाटक	AUTHOR(s) डॉ. सुरेन्द्र यादव डॉ. जयदेव तनेजा डॉ. नगेन्द्र	Edition, Year, Publisher तक्षशिला प्रकाशन, 2002 तक्षशिला प्रकाशन, 1978 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2023	PLACE नयी दिल्ली नयी दिल्ली नयी दिल्ली	

	4.आज का हिन्दी नाटक, प्रगति और प्रभाव	डॉ. दशरथ ओझा	राजपाल एंड संस, 2022	नयी दिल्ली
	5.हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास	डॉ. दशरथ ओझा	राजपाल एंड संस, 2013	नयी दिल्ली

Program Name- B.A.-VI			
Status of Course & Credit: Major Course (3 Credits)			
Course Number & Title: HIM 604, हिंदी साहित्य का इतिहास भाग-2 Semester 6			
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semeter]: 3 per week			
Total Lectures / Semester: 39			
1.	Introduction: इस पेपर के माध्यम से हिन्दी के विधार्थियों को 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' के आधुनिक काल की समस्त ऐतिहासिक और साहित्यिक विशेषताओं को बताया जाएगा, इसके साथ ही आधुनिक काल की विविध धाराओं और विविध विधाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जायेगा		
2	Objectives: 1.Objective(उद्देश्य) हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें		
3	Course Outcomes 1. हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं (उपन्यास, कथा, नाटक, एकांकी, निबंध आदि) की समझ और ज्ञान में वृद्धि। 2. हिन्दी के प्रतिनिधि लेखकों (प्रेमचंद, भारतेंदु हरिश्चंद्र आदि) की रचनाओं का विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता का विकास । 3. हिन्दी गद्य में प्रतिबिंबित सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की समझ और विश्लेषण करने की क्षमता में वृद्धि। 4. हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं में प्रयुक्त भाषा, शैली और तकनीकी संदर्भित जानकारी की समझ जाग्रत करना। 5. हिन्दी गद्य के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी की साहित्यिक समझ, आलोचनात्मक चिंतन और सृजनात्मक अभिव्यक्ति को विकसित करना। इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को तैयार करना		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture (s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I		

	आधुनिक काल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, खड़ी बोली का विकास, हिंदी नवजागरण, फोर्ट विलियम कॉलेज।	7 pds	ग्रहण एवं अवधारणा का विकास, समझ एवं विचारात्मक चिंतन।
	Unit – II		
	भारतेंदु युगीन प्रमुख विधाएं- भारतेन्दु मण्डल, भारतेन्दु युगीन कविता, खड़ी बोली कविता का प्रारम्भ, भारतेंदु युगीन प्रमुख गद्य विधाएं, पत्रकारिता का उदय और विकास।	8 pds	(अनुकरण, एवं चरित्रीकरण नैतिक शिक्षा और देशभक्ति की भावना को जागृत करना)
	Unit – III		
	द्विवेदी युग - प्रमुख कवि एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ, राष्ट्रीय काव्यधारा एवं स्वच्छंदतावाद, छायावाद एवं प्रगतिवाद	8 pds	ज्ञान,समझ अनुकरण, चरित्रीकरण,एवं स्वाभावीकरण (नैतिक शिक्षा और देशभक्ति की भावना को जागृत करना)
	Unit – IV		
	आधुनिक काल की विविध गद्य विधाओं का विकास तथा प्रमुख प्रवृत्तियां- नाटक, निबंध कहानी, उपन्यास।	9 pds	चिंतन,समझ एवं आलोचनात्मक लेखन का विकास
	Unit – V		
	प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन साहित्य (10) Periods (understanding and creative writing)	6 pds	समझ एवं रचनात्मक लेखन कौशल का विकास।

5.	REFERENCE BOOKS/REFERENCE हिन्दी साहित्य का इतिहास	AUTHOR(s) आचार्य रामचंद्र शुक्ल	Edition, Year, Publisher 1929 नागरी प्रचारिणी सभा	PLACE प्रयागराज
2.	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	-हजारी प्रसाद द्विवेदी	1955 राजकमल प्रकाशन,	नई दिल्ली
3.	हिन्दी साहित्य का मध्यकाल	हजारी प्रसाद द्विवेदी	1955 राजकमल प्रकाशन,	नई दिल्ली
4.	हिंदी साहित्य का आधुनिक काल	अज्ञेय	1965 भारतीय ज्ञानपीठ,	दिल्ली
5	हिंदी साहित्य का इतिहास	डॉ. नगेंद्र	1984 वाणी प्रकाशन,	नई दिल्ली

6	हिन्दी साहित्य का विकास	डॉ .रामविलास शर्मा	1990 वाणी प्रकाशन,	नई दिल्ली
7.	हिदी साहित्य का इतिहास	डॉ. शिवकुमार सिंह	2002 आत्माराम एंड संस	दिल्ली
8.	हिदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ विश्व त्रिपाठी	2005 राजकमल प्रकाशन	दिल्ली
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ. दिनेश्वर प्रसाद	2010 वाणी प्रकाशन	नई दिल्ली
10	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ रामअवध द्विवेदी	2015 आत्माराम एंड संस	नई दिल्ली
11.	हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास	डॉ रामअवध द्विवेदी	2016 आत्माराम एंड संस	नई दिल्ली
12.	हिन्दी साहित्य का विकासवादी इतिहास	डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी	2017 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
13.	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ. दिनेश्वर प्रसाद	2018 वाणी प्रकाशन,	नई दिल्ली
14.	हिंदी साहित्य का इतिहास: एक सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण	अज्ञेय	2021 भारतीय ज्ञानपीठ,	नई दिल्ली
15.	हिदी साहित्य का आधुनिक इतिहास	डॉ. शिवकुमार सिंह	2019 आत्माराम एंड संस	नई दिल्ली
16.	हिंदी साहित्य का इतिहास: मध्यकाल से आधुनिक काल तक	डॉ. नगेंद्र	2020 वाणी प्रकाशन,	नई दिल्ली

17.	हिंदी साहित्य का नवीन इतिहास: एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	2022 राजकमल प्रकाशन,	नई दिल्ली
18.	हिंदी साहित्य का इतिहास: एक नवीन दृष्टिकोण	डॉ. रामविलास शर्मा	2020 राजकमल प्रकाशन,	नई दिल्ली
19.	हिन्दी साहित्य का इतिहास: एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण	डॉ. रामचंद्र शुक्ल	2022 नागरी प्रचारिणी सभा	प्रयागराज
20.	हिंदी साहित्य का इतिहास: एक संक्षिप्त विवरण	डॉ. डॉ. शिवप्रसाद सिंह	2022 आत्माराम एंड संस,	नई दिल्ली
21	आधुनिक हिन्दी कविता	विश्वनाथ	2010	अभिजीत प्रकाशन नई दिल्ली
22.	मैथिलीशरण गुप्त पुनर्मूल्यांकन	डॉ. नगेंद्र		
23.	निराला आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह	2014 लोकभारती प्रकाशन	प्रयागराज
24.	निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा	2021 राजकमल प्रकाशन,	नई दिल्ली
25.	कल्पना और छायावाद		2012 वाणी प्रकाशन,	नई दिल्ली
26.	आधुनिक कविता यात्रा	रामस्वरूप चतुर्वेदी	2019 लोकभारती प्रकाशन	प्रयागराज
27.	छायावाद	नामवर सिंह	2020 राजकमल प्रकाशन,	नई दिल्ली

CourseNumber&Title:**HIM-605-PROJECT**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 per week	
Total Lectures / Semester: 52 / semester	
	Introduction: **HIM 601, HIM 602, HIM 603, HIM 604** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।

1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. परियोजना बनाने की क्षमता, और प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम से इतर सम्बंधित युग की रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. परियोजना बनाने की क्षमता, और प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A (V Semester)	
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 1 Credits	
CourseNumber&Title:**HIM-606, संगोष्ठी एवं परिसंवाद**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week	
Total Lectures / Semester: 26 semester	
	Introduction: **HIM 601, HIM 602, HIM 603, HIM 604** का मौखिक अध्ययन और प्रस्तुति की क्षमता का विकास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन करना। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय की समझ विकसित करना । 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. आरंभिक साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन प्राप्त होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. विषय की समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A. Honors with Research/ without Research (VII Semester)			
Status of Course & Credit: Major Course (4 credits)			
CourseNumber&Title:HIM-**701- 'शोध प्रविधि'**			
	Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: 4 per week		
	Total Lectures / Semester: 52/ per semester		
	Introduction: शोध क्या है? उसकी महत्ता क्या है? उसके स्रोत, स्तर, शोध की समस्याएं, परिकल्पना, शोध के उपकरण, शोध की प्रविधि, ऐतिहासिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, साहित्यिक शोध क्या है और शोध की रूपरेखा किस प्रकार निर्मित की जाती है। आधुनिक शोध उपकरण क्या हैं, प्रश्नावली, साक्षात्कार, अनुसूची, निर्देशक, शोधार्थी की भूमिका। शोध के अनिवार्य और वर्जित अंगों पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है । शोध की भाषा आदि का अध्ययन इस कोर्स के अंतर्गत किया जाता है।		
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. विद्यार्थी को शोध की महत्ता और गंभीरता के प्रति सचेष्ट करना। 2. शोध की विभिन्न प्रविधियों से अवगत कराना । 3. अन्य विषयों से इतर साहित्यिक शोध के स्वरूप को समझाना। 4. शोध के विभिन्न उपकरणों के प्रयोग और उपयोग को समझाना। 5. एक परिपक्व, सुव्यवस्थित रूपरेखा के निर्माण की प्रविधि को समझाना।		
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम विद्यार्थी शोध के सामाजिक, महत्त्व को जानने में सक्षम होते हैं। विद्यार्थी शोध की सभी प्रविधियों का अध्ययन करने के उपरान्त साहित्यिक शोध के अनुरूप किन प्रविधियों का चयन करना चाहिए यह समझ विकसित कर पाते हैं। साहित्यिक शोध की समस्याएं और निष्कर्ष अन्य विषयों में आने वाली समस्यायों निष्कर्षों के स्वरूप से कहीं इतर होते हैं विद्यार्थी इस अंतर को समझने की बौद्धिक क्षमता को विकसित कर पाता है। विद्यार्थी, प्रश्नावली, साक्षात्कार, अनुसूची, अवलोकन आदि के स्वरूप का ध्ययान करने के उपरान्त इनके प्रयोग और उपयोग करने में दक्षता प्राप्त करता है। एक प्रभावी शोध रूपरेखा का निर्माण करने में सक्षम होता है।		
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	UNIT 1: RESEARCH & ITS ETHICAL DIMENSIONS	12 pds	Understanding, Analyzing

	Research: Meaning, characteristics and types, Literary Research, Academic Integrity, Fabrication, Plagiarism, Copyright & Intellectual Property Right, Reasoning (Including Mathematical): Number series; letter series; codes; Relationships, Classification.		
	UNIT 2: PROCESS OF LITERARY RESEARCH (a)Review of Literature, Conceptual Framework, Formation of Hypothesis, Selection of Topic, and Plan of work. (b)Logical Reasoning: Understanding the structure of arguments, Deductive and Inductive reasoning, Verbal analogies: Word analogy—Applied analogy, Verbal classification, Logical Diagrams, Venn diagram, analytical Reasoning.	10 pds	Analyzing Applying
	UNIT 3: DATA COLLECTION/ MATERIALS AND TOOLS OF RESEARCH (a)Primary and Secondary sources, Bibliography, Note System, Scientific tools, Printed Sources(books, anthologies, thesauruses, encyclopedias, conference proceedings, unpublished theses, newspaper articles, journals, govt. publications), Literary Terms & Concepts, Research Terminology(synopsis, abstract, review, peer review, refereed publication, catalogue. (b)Use of ICT(Information and Communication Technology) in Research, General ICT abbreviations and terminology, basics of internet and e-mailing, e-journals, research sites, web search engines, archives, database, blog, etc.).	10 pds	Analyzing Applying
	UNIT 4: DATA ANALYSIS/ METHODS OF RESEARCH (a) Sources, acquisition and Interpretation of data,	10 pds	Analyzing Applying

	Qualitative and Quantitative data, Graphical representation and mapping of data. (b)Biographical, REFERENCE ual, Critical Approaches to Research, Literary Research & Interdisciplinarity		
	UNIT 5: PRESENTATION OF RESEARCH (a) Mechanics of writing: Spelling, Punctuation, Italics, Names of Persons, Numbers, Titles of works in Research Paper, Quotations, Capitalization & Personal names in Languages (b) Writing of a Research Proposal/Synopsis, Abstract, Research Paper, Thesis Writing, Preparing the List of Works, Citing Sources in the REFERENCE . Contemporary Issues in Research, Differences between Workshop, Seminar, Conferences, Symposia.	10 pds	Analyzing Applying
5	REFERENCE BOOKS/REFERENCE	Author	Edition, Year, Publisher
	शोध प्रविधि -	डॉ. गणेश पाण्डेय, अरूणा पाण्डेय	
	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया –	डॉ. राजेन्द्र मिश्र	
	सामयिक शोध-प्रविधि –	डॉ. माधुरी छेडा	
	अनुसंधान परिचय –	डॉ. पारसनाथ राय	

Program Name- B.A. Honors VII	
Status of Course & Credit:-MAJOR/4	
Course Number & Title :-**HIM 702 / भाषा विज्ञान**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 PER WEEK.	
Total Lectures / Semester:-52 PER SEMESTER	
1	Introduction: This paper aims to भाषा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। उसकी विस्तृत जानकारी मनुष्य के लिए अनिवार्य है। आचार्य पतंजलि ने भी षडंग वेद के अध्ययन पर बल दिया था। भाषा विज्ञान द्वारा भाषा का सूक्ष्मतम अध्ययन किया जाता है। भाषा विज्ञानं द्वारा ध्वनियों, वर्णों, प्रकृति, प्रत्यय और अर्थ का वास्तविक ज्ञान प्राप्त होता है जिससे शुद्ध अर्थ का बोध

	होता है, उच्चारण की शुद्धता आती है और भाषा के परिष्कृत रूप के साथ वाग्ब्रह्म का साक्षात्कार होता है।भाषा विज्ञान का अध्ययन करते समय विविध वैज्ञानिकों और वैयाकरणों का परिचय भी संभव होता है।		
2	Objectives: (At least 5) 1: मनुष्य के व्यवहार में भाषा का महत्व जानना। 2: भाषा और बोली का व्यक्ति, समाज, संस्कृति, और सभ्यता से सम्बन्ध स्थापना से परिचित कराना। 3: भाषा का विभिन्न क्षेत्रों एवं अनुशासनों से सम्बन्ध को जानना। 4: भाषा एवं बोली के वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना। 5: भाषा-बोली की परिभाषा, स्वरुप एवं विशेषताओं से परिचित कराना।		
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: भाषा की प्रकृति, परिभाषा और स्वरुप से परिचित हो सकेंगे। समाज में भाषा के महत्व, उचित प्रयोग को समझ सकेंगे । भाषा, जन और समुदाय का सह सम्बन्ध जान सकेंगे। भाषा के उचित प्रयोग व उसके उपयुक्त उच्चारण को करना सीख सकेंगे। भाषा के व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक पक्ष को समझ सकेंगे।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wisewith title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I	12	understanding
	भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरुप (क) सामान्य परिचय (ख) भाषा का स्वरुप एवं विविध रूप (ग) प्रमुख भाषा वैज्ञानिक		
	Unit – II	10	analyzing
	ध्वनि विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञान : (क) स्वरुप एवं विविध ध्वनि रूप (ख) ध्वनि नियम, ध्वनि विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञान में अंतर		
	Unit – III	10	applying
	पद विज्ञान एव वाक्य विज्ञान : (क) पद और शब्द, पद विभाग, व्याकरणिक कोटियाँ (ख) वाक्य विज्ञान का स्वरुप, पद विन्यास के गुण, प्रकार, दिशायें		
	Unit – IV	10	creating
	अर्थ विज्ञान : (क) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ ज्ञान के साधक एवं बाधक गुण (ख) अर्थ परिवर्तन की दिशायें		
	Unit – V	10	understanding
	भाषा परिवार		

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
	1.भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा,	भोलानाथ तिवारी,	2009 किताब प्रकाशन	नयी दिल्ली,
	2.भाषा विज्ञान	श्यामसुन्दर दास	2020 लोक भारती प्रकाशन	प्रयागराज
	3.भाषा विज्ञानं और भाषा शास्त्र	कपिल देव द्विवेदी	२०१९ ,विश्वविद्यालय प्रकाशन	वाराणसी
	4.भाषा ,भाषा विज्ञान और राजभाषा हिंदी	डॉ महेन्द्रनाथ दुबे	द्वितीय संस्करण ,वाणी प्रकाशन	नयी दिल्ली

Program Name- B.A. Honors with Research (VII Semester)	
Status of Course & Credit: Major Course (4 credits)	
CourseNumber&Title:**HIM-703 'भारतीय काव्यशास्त्र'**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: 4 per week	
Total Lectures / Semester: 52/ semester	
	Introduction: काव्य शब्द के प्राचीन व्यापक अर्थ को समझते हुए काव्य लेखन के सिद्धांतों का अध्ययन इस कोर्स के अंतर्गत किया जाता है कविता क्या है उसका वास्तविक स्वरुप क्या है कविता की आत्मा क्या है उसके हेतु प्रयोजन गुण दोष सम्प्रदाय आचार्य उनके मंतव्य आदि का वर्णन विश्लेषण इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत किया जाता है। किस प्रकार प्रचान संस्कृत काव्य शास्त्र की विभिन्न उद्भावनाएं आदिकालीन, मध्यकालीन, आधुनिक हिंदी कवि और कविता को प्रभावित करते हैं। कविता की विकास यात्रा और उसके सिद्धांतों को समझाने हेतु यह पाठ्यक्रम अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य:- 1 छात्रों को प्राचीन काव्य शास्त्र जानने में सक्षम बनाना। 2 प्राचीन काव्यशास्त्र और आधुनिक काव्यालोचना के मध्य साम्य और वैषम्य को समझना। 3 रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य आदि के विकासात्मक रूप को समझना। 4 संस्कृत आचार्यों भरतमुनि, भामह, दंडी, रुद्रट, उद्भट, मम्मट, कुंतक, वामन, आनंदवर्धन, अभिनव गुप्त आदि का परिचयात्मक ज्ञान। 5 प्राचीन काव्य सिद्धांतों का अध्ययन, विश्लेषण करने की क्षमता का प्राथमिक ज्ञान।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. विद्यार्थी प्राचीन काव्य स्वरूप को जान पाते हैं।

	2. विद्यार्थी प्राचीन एवं आधुनिक काव्य के मध्य के अंतर को समझ पाते हैं। 3. विद्यार्थी रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य आदि के विकासात्मक रूप को समझने में सक्षम हो पाते हैं। 4. विद्यार्थी प्राचीन आचार्यों से परिचित हो हैं। 5. काव्य सिद्धांतों के निरंतर बदलते स्वरुप का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त होता है।		
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	UNIT 1: भारतीय काव्य शास्त्र- इतिहास, काव्य की आत्मा, संस्कृत एवं हिन्दी के आचार्यों के काव्य लक्षण, काव्य एवं साहित्य शब्द का विश्लेषण, काव्य की मूल प्रेरणा	12 pds	Understanding
	UNIT 2: अलंकार, रीति एवं वक्रोक्ति सम्प्रदाय का अध्ययन	9 pds	Understanding, Analyzing,
	UNIT 3: रस, ध्वनि एवं औचित्य सम्प्रदाय के प्रमुख सिद्धान्त, प्रमुख प्रवर्तक आचार्य	11pds	Understanding, Analyzing,
	UNIT 4: रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण- रस के अवयव, रस निष्पत्ति की व्याख्या, प्रमुख आचार्य एवं उनके मानदंड, काव्य में साधारणीकरण की प्रक्रिया, सहृदय की अवधारणा	12 pds	Understanding, Analyzing,
	UNIT 5: आधुनिक व्याख्याता- आधुनिक व्याख्याकार, रामचन्द्र शुक्ल एवं नगेन्द्र की रस एवं ध्वनि की मान्यता श्यामसुंदर दास	8 pds	Understanding, Analyzing,
5	REFERENCE BOOKS/REFERENCE	Author	Edition, Year, Publisher
a	भारतीय काव्य शास्त्र	भगीरथ मिश्र	
b	भारतीय काव्य शास्त्र	विशम्भरनाथ उपाध्याय	
c	भारतीय साहित्य शास्त्र	बलदेव उपाध्याय	
d	भारतीय काव्य शास्त्र के नये आयाम	मनोहर काले	
e	भारतीय काव्य शास्त्र	राममूर्ति त्रिपाठी.	

Program Name- B.A. Honors with Research VIISemester
Status of Course & Credit: 4
Course Number & Title:**HIM- 704/712 साहित्य और विचारधारा**
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 Per week
Total Lectures 52/ per semester:

1	Introduction: पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपराओं से विद्यार्थी को परिचित कराना है। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से की सैद्धांतिक चितन, वैचारिक-बोध एवम् विचार विश्लेषण का विकास होगा।		
2	Objectives: (At least 5) 1. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना। 2. हिंदी साहित्य से संदर्भित विविध मत एवं वादों से परिचित कराना। 3. राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी भाषा और साहित्य के योगदान को समझना। 4. 19वीं सदी के विभिन्न साहित्यिक विमर्शों से विद्यार्थियों को अवगत कराना। 5. वैचारिक दृष्टि से साहित्य के मूल्यांकन के लिए छात्रों को सक्षम बनाना।		
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी भारतीय वैचारिक पृष्ठभूमि मत, वाद ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक आंदोलनों से परिचित होंगे। भारतीय वैचारिक पृष्ठभूमि की समझ,चिंतन और सैद्धांतिक बोध का विकास होगा जिसके प्रयोग से वे अपने साहित्यिक अवदान को बेहतर बना सकेंगे।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Perio d Numbe r of Lecture (s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I विचारधारा और साहित्य, मध्ययुगीन बोध का स्वरूप, विभिन्न धर्म साधनाएं और वैष्णव धर्मांदोलन, मध्ययुगीन बोध में साम्य-वैषम्य	12	ज्ञानबोध ,ग्रहण, अवधारणा की समझ एवं ,विचारात्मक चिंतन का विकास।
	Unit – II आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता, राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आन्दोलन	10	ज्ञान,समझ एवं बोध का विकास
	Unit – III राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयता, पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिंदी लोक जागरण	10	चिंतन,समझ एवं आलोचनात्मक लेखन का विकास
	Unit – IV भारतीय संविधानिक व्यवस्था- लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित चेतना, स्त्री विमर्श, आँचलिकता और महानगरीय बोध	10	समझ एवं रचनात्मक , लेखन कौशल का विकास।

	Unit – V साहित्य का अध्ययन अन्तर्विद्यापरक अध्ययन- साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास दर्शन, मनोवैज्ञानिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, साहित्य का वैज्ञानिक बोध	10	सिद्धान्त बोध, विचारात्मक चिंतन का विकास।

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
1	भाषा और समाज	रामविलास शर्मा	2002 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	प्रभात प्रकाशन	नई दिल्ली
3	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	हजारी प्रसाद दवेदी	2022 राजकमल प्रकाशन	नई दिल्ली
4	हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास	हजारी प्रसाद दवेदी	2015 राजकमल प्रकाशन	दिल्ली
5	साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पांडे	2023 वाणी प्रकाशन	नई दिल्ली
6	भाषा विज्ञान	भोलानाथ तिवारी	2019 किताब महल प्रकाशन	नई दिल्ली
7	भक्ति आंदोलन भक्तिकाव्य	शिव कुमार मिश्र	2015 लोकभारती प्रकाशन	इलाहाबाद
8	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पांडे	वाणी प्रकाशन	नई दिल्ली
9	आधुनिकता और उपनिवेश	कृष्ण मोहन	2006 वाणी प्रकाशन	नई दिल्ली
10	मानवमूल्य और साहित्य	धर्मवीर भारती	1999 भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन	दिल्ली

Program Name- B.A (VII Semester)

CourseNumber&Title:**HIM-705-संगोष्ठी एवं परिसंवाद**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-8 per week	
Total Lectures / Semester: 104 per semester	
	Introduction: **HIM 701, HIM 702, HIM 703, HIM 704** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम सम्बंधित रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A (VII Semester)	
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 1 Credits	
CourseNumber&Title:**HIM-706,** SYNOPSIS (With Research)	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week	
Total Lectures / Semester: 26 semester	
	Introduction: **शोध हेतु रूपरेखा निर्माण एवं** प्रस्तुति की क्षमता का विकास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. शोध हेतु प्रेरित करना 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय विश्लेषण समझ विकसित करना । 5. विषय का भाषायी, साहित्यिक और सामाजिक विश्लेषण, विवेचन और अध्ययन करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम

	1. विद्यार्थी शोध हेतु परिकल्पना, रूपरेखा निर्माण में परिपक्व होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. विषय विश्लेषण समझ विकसित होती है। 5. विषय का मौलिक भाषायी, साहित्यिक और सामाजिक विश्लेषण, विवेचन और अध्ययन करने की समझ का विकास होता है।

Program Name- B.A (VII Semester)	
Status of Course & Credit: AECC (Ability Enhancement Compulsory Course) 1 Credits	
CourseNumber&Title: **HIM 707 -SELF STUDY (for non research option**)	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-2 per week	
Total Lectures / Semester: 26 semester	
	Introduction: पाठ्यक्रम से इतर रचनाओं का अध्ययन **एवं** प्रस्तुति की क्षमता का विकास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. स्वयं ही विषय का चयन करने और उस की प्रस्तुति की क्षमता का विकास होना। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. विषय विश्लेषण समझ विकसित करना । 5. विषय का भाषायी, साहित्यिक और सामाजिक विश्लेषण, विवेचन और अध्ययन करना ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. विद्यार्थी स्वयं अपनी रूचि की रचना के अध्ययन में परिपक्व होता है। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. विषय विश्लेषण समझ विकसित होती है। 5. विषय का मौलिक भाषायी, साहित्यिक और सामाजिक विश्लेषण, विवेचन और अध्ययन करने की समझ का विकास होता है।

Program Name- B.A. Honors with Research VIII Semester
Status of Course & Credit: Major Course (Credit:4)
Course Number & Title: **HIM 801 हिन्दी की लंबी कविताएं**
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 per week

Total Lectures / Semester: 52			
1	Introduction: प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में लंबी कविताओं कए शिल्प और संवेदना से परिचित हो सकेंगे। लंबी कविता स्वयं कवि एवं आलोचक के लिए एक चुनौती रही हैं। हिन्दी में इसकी समृद्ध परंपरा रही है। उस परंपरा को जानना और समझना प्रमुख उद्देश्य होगा।		
2	Objectives: (At least 5) लंबी कविताओं की परंपरा से परिचय। लंबी कविताओं के शिल्प की जटिलता का ज्ञान। लंबी कविताओं में शिल्प और कथ्य की पारस्परिकता का अध्ययन। हिन्दी की प्रमुख लंबी कविताओं का अध्ययन और मूल्यांकन की समझ। आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख कवियों की लंबी कविताओं का अध्ययन।		
3	Course Outcomes हिन्दी कविता में लंबी कविताओं की परंपरा से परिचय करेंगे। लंबी कविताओं के शिल्प की जटिलता का अध्ययन करेंगे। हिन्दी की प्रमुख लंबी कविताओं का अध्ययन और मूल्यांकन की समझ विकसित होगी। हिन्दी की प्रमुख लंबी कविताओं का अध्ययन और मूल्यांकन की समझ विकसित होगी। आधुनिक हिन्दी कविता की मुकम्मल समझ विकसित होगी।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I लंबी कविता का वितान	12 pds	
	हिन्दी की प्रमुख लंबी कवितायें वर्णनात्मकता और काव्य तत्व कथात्मकता और लंबी कविता लंबी कविता का शिल्प		Understanding
	Unit – II		
	राम की शक्ति पूजा-निराला	(10 pds)	Analyzing/ Evaluating
	Unit – III		
	असाध्य वीणा-अज्ञेय	(10 pds)	Analyzing/ Evaluating
	Unit – IV		
	अंधेरे में- मुक्तिबोध	(10 pds)	Analyzing/ Evaluating
	Unit – V		
	पटकथा-धूमिल	(10 pds)	Analyzing/ Evaluating

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह	2007	लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेंद्र	2022	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
	आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास	नन्द किशोर नवल	2022	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
	हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि	द्वारिका प्रसाद सक्सेना	2022	विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी	2018	लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
	धूमिल	अवधेश प्रधान	2012	साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
	लंबी कविता का वितान	अरुणाभ सौरभ	2017	विजया बुक्स, दिल्ली

Program Name- B.A. Honors VIII Semester non research option	
Status of Course & Credit: 4	
Course Number & Title: HIM 802 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4 Per week	
Total Lectures 52 / Semester:	
1	Introduction: पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपराओं से विद्यार्थी को परिचित कराना है। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से छात्राओ की सैद्धांतिक चितन, वैचारिक बोध विचार विश्लेषण बोध का विकास होगा।

2	Objectives: (At least 5) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के माध्यम से छात्राओं में साहित्य के प्रति गहरी समझ विकसित होगी । पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अनुकरण, विरेचन, कल्पना, इत्यादि सिद्धान्तों के माध्यम से छात्राओं में सैद्धांतिक-बोध विकसित होगा । पूर्व और पश्चिम दोनों स्थानों पर काव्यशास्त्र पर वृहद विचार किया गया है, जो काव्य को समुन्नत करने के लिए साहित्यकार के प्रयासों को दर्शाता है । यह विद्यार्थियों को काव्य के विभिन्न पहलुओं को जानने और समझने का अवसर प्रदान करेगा। पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अध्ययन को साहित्यिक समझ, काव्य सिद्धांतों की समझ, साहित्यिक विश्लेषण, सांस्कृतिक समझ, भाषिक समझ और साहित्यिक रचना की क्षमता विकसित करने में विद्यार्थियों की सहायता करता है। पाश्चात्य काव्यशास्त्र के माध्यम से विद्यार्थियों को पाश्चात्य संस्कृति और इतिहास की समझ मिलती है।		
3	Course Outcomes (CO1: (At least 5) After completion of the course, students will be able to: इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र में विभेद करना जानेंगे । पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ,चिंतन और सैद्धांतिक बोध का विकास होगा जिसका प्रयोग वे अपने साहित्यिक अवदान को बेहतर बना सकेंगे ।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I प्लेटो का काव्य सिद्धान्तः अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन, त्रासदी	12	ज्ञानबोध ,ग्रहण एवं अवधारणा की , समझ एवं विकास विचारात्मक चिंतन।
	Unit – II लोंजाइनस का उदात्त सिद्धान्त, विलियम वर्ड्सवर्थ, कॉलरिज के सिद्धान्त	10	ज्ञान,समझ अनुकरण,
	Unit – III क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, टी.एस. इलियट	10	चिंतन,समझ एवं आलोचनात्मक लेखन का विकास
	Unit – IV आई.ए. रिचर्ड्स, कला कला के लिए	10	समझ एवं रचनात्मक , लेखन कौशल का विकास ।
	Unit – V प्रमुख समीक्षा सिद्धान्त रूपवाद, स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद, प्रतीकवाद, बिंबवाद, विखंडनवाद	10	सिद्धान्त बोध, विचारात्मक चिंतन का विकास ।

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
1	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	देवेन्द्र नाथ शर्मा	2018 मयूर बुक्स	दिल्ली
2	भारतीय पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना	रामचन्द्र तिवारी	2010 विश्वविद्यालय प्रकाशन	वाराणसी

Program Name- BA	
Status of Course & Credit: Major 4	
Course Number & Title: HIM 803 HINDI ALOCHANA EVAM ALOCHAK	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-4	
Total Lectures / Semester: 52	
1	**Introduction:** हिन्दी आलोचना पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य के गहरे और आलोचनात्मक अध्ययन में सक्षम बनाना है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिन्दी साहित्य के विभिन्न युगों, शैलियों और विधाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे। साथ ही, प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों और आलोचनात्मक दृष्टिकोणों से परिचित होंगे, जो उनके साहित्यिक समझ को विस्तृत करेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी व्यक्तिगत आलोचनात्मक सोच और विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है। साहित्य और समाज के आपसी संबंधों को समझते हुए छात्र साहित्य के समाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भ में मूल्यांकन करना भी सीखेंगे।
2	**Objectives:** 1. आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास: विद्यार्थियों को साहित्य के विभिन्न विधाओं और शैलियों पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना। 2. साहित्यिक सिद्धांतों की पहचान: छात्रों को प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों, उनके विकास और उनके प्रभाव का परिचय कराना। 3. आलोचना के विधियों का अध्ययन: विभिन्न आलोचनात्मक विधियों और दृष्टिकोणों का अध्ययन करना और उनका विश्लेषण करना। 4. आलोचना में व्यक्तिगत दृष्टिकोण की विकसित करना: छात्रों को प्रोत्साहित करना कि वे अपनी व्यक्तिगत आलोचनात्मक सोच और विचार व्यक्त करें 5. साहित्य और समाज के सामाजिक संदर्भ का अध्ययन: साहित्य और समाज के संबंध को समझते हुए छात्रों को यह सिखाना कि कैसे साहित्य समाज के विभिन्न पहलुओं को प्रतिबिंबित करता है और उसका प्रभाव समाज पर पड़ता है।
3	**Course Outcomes:** 1. हिन्दी साहित्य की आलोचनात्मक समझ: छात्र हिन्दी साहित्य के विभिन्न युगों, धाराओं, और शैलियों के आलोचनात्मक विश्लेषण में सक्षम होंगे। 2. साहित्यिक सिद्धांतों का अभ्यास: छात्र प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों का सही ढंग से उपयोग कर आलोचना कर सकेंगे। 3. साहित्यिक आलोचना में विस्तार: छात्र हिन्दी आलोचना के इतिहास और विकास को समझने के साथ-साथ विभिन्न आलोचकों की दृष्टि और उनकी आलोचनाओं की तुलना कर सकेंगे।

	4. वैयक्तिक आलोचना लेखन: छात्र अपनी आलोचनात्मक सोच और विचारों को स्पष्ट रूप से लेखन के माध्यम से व्यक्त करने में सक्षम होंगे। 5. साहित्य और समाज के बीच संबंध: छात्र यह समझ पाएंगे कि साहित्य और समाज के बीच गहरे संबंध होते हैं और वे समाजिक, सांस्कृतिक, और राजनीतिक संदर्भ में साहित्य का मूल्यांकन कर सकेंगे।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I	10	Remembering
	• हिन्दी आलोचन का आरंभ और विकास- हिन्दी आलोचना और रामचन्द्र शुक्ल		
	Unit – II	10	Understanding
	• शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना -हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, नगेंद्र		
	Unit – III	10	Understanding
	• हिन्दी के रचनाकर आलोचक: अज्ञेय, मुक्तिबोध, राजेंद्र यादव		
	Unit – IV	10	Understanding
	• प्रगतिवादी समीक्षा: उद्भव और विकास- रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय		
	Unit – V	12	Analyzing/Evaluating
	• नई आलोचना दृष्टि: साहित्य चिंतन के नए संदर्भ (परिचयात्मक अध्ययन) नई समीक्षा, आधुनिकतवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी एवं अन्य विमर्श		

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
	हिन्दी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ अमरनाथ	राजकमल प्रकाशन, 2023	नई दिल्ली
	हिन्दी आलोचना	विश्वनाथ त्रिपाठी	राजकमल प्रकाशन, 2019	नई दिल्ली
	हिन्दी आलोचना इतिहास और सिद्धान्त	योगेंद्र प्रताप सिंह	वाणी प्रकाशन, 2008	नई दिल्ली
	हिन्दी साहित्य कोश	धीरेन्द्र वर्मा	ज्ञानमंडल, 1943	वाराणसी

	हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी	निर्मला जैन	राधाकृष्ण प्रकाशन, 2006	प्रयागराज

CourseNumber&Title:**HIM-804 -संगोष्ठी एवं परिसंवाद**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]: L-8 per week	
Total Lectures / Semester: 104 per semester	
	Introduction: **HIM 801, HIM 802, HIM 803** से सम्बंधित तथा पाठ्यक्रम से इतर भाषायी स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, भाषा के व्यावहारिक स्वरूप का अभ्यास।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करना। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना। 4. भाषायी समझ विकसित करना । 5. पाठ्यक्रम सम्बंधित रचनाओं का अनुशीलन करना।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5)परिणाम 1. प्रस्तुति का अनुभव एवं दक्षता। 2. सुनने और बोलने, प्रश्न करने की क्षमता का विकास होता है। 3. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। 4. भाषायी समझ विकसित होती है। 5. विषय का बहुआयामी अध्ययन होता है।

Program Name- B.A. Honors non research option (VIII Semester)	
Status of Course & Credit: Major/Minor Course (10 Credits)	
Course Number &Title: **HIM-805 DISSERTATION WITH RESEARCH 10 CREDIT**	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester] : 20 per week	
Total Lectures / Semester: 260	
	Introduction:- किसी भी भाषागत, साहित्यिक रचना या विषय का समीक्षात्मक, विश्लेषणात्मक, विवेचनात्मक अध्ययन करते हुए लघुशोध प्रबंध का मौलिक लेखन।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. छात्र में शोध क्षमताओं को विकसित कराया जाएगा। 2. विभिन्न शोध प्रविधियों का प्रयोगात्मक ज्ञान विकसित कराया जाएगा।

	3. साहित्य के विद्यार्थी में सामाजिक दायित्व, शोध में ईमानदारी विकसित की जाएगी । 4. भाषाई विश्लेषण क्षमता का विकास किया जायेगा। 5. विद्यार्थी में मौलिक लेखन क्षमता विकसित की जाएगी।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5) परिणाम 1. छात्र में शोध क्षमताओं को विकसित होगा। 2. विभिन्न शोध प्रविधियों का प्रयोगात्मक ज्ञान विकसित होगा। 3. साहित्य के विद्यार्थी में सामाजिक दायित्व, शोध में ईमानदारी विकसित होगी । 4. भाषाई विश्लेषण क्षमता का विकास होगा। 5. विद्यार्थी में मौलिक लेखन क्षमता विकसित की होगी।

NON RESEARCH OPTION -

Program Name- B.A. Honors non research option (VII Semester)	
Status of Course & Credit: Major/Minor Course (5 credits)	
Course Number &Title: HIM -806 – भारतीय साहित्य	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester] : 5 per week	
Total Lectures / Semester: 65	
	Introduction:- भारतीय साहित्य भारतीयता की अवधारणा की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र है। इस साहित्य के विशेष अध्ययन क्षेत्र से हम संपूर्ण भारतीय साहित्य का आस्वादन कर सकेंगे और अन्य भाषाओं के साहित्य में कौन से महत्वपूर्ण बिन्दु है उनका अवलोकन कर सकेंगे। राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद की एक मुकम्मल तस्वीर भी भारतीय साहित्य के माध्यम से अभिव्यक्त होती है।
1	Objectives: (At least 5) उद्देश्य 1. छात्रों को भारतीय साहित्य के माध्यम अन्य भाषाओं के साहित्य से अवगत कराया जाएगा। 2. अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य एवं हिन्दी साहित्य के सकारात्मक-मानवीय मूल्यों को एकसाथ विश्लेषण हो सकेगा 3. विभिन्न भाषाओं की प्राचीन एवं साहित्य ज्ञान परंपरा का अवलोकन कर सकेंगे । 4. आधुनिक हिन्दी भाषा परिवार एवं द्रविड भाषा के तुलनात्मक अध्ययन से भाषा संबंधी ज्ञान विकसित हो सकेगा। 5. वर्ण विरोधी संत – भारतीय साहित्य के अध्ययन से विभिन्न समाजों- समुदायों के बीच भारतीयता एव राष्ट्रीयता की अवधारणा विकसित किया जा सकेगा ।
2	Course Outcomes (CO1: (At least 5) परिणाम 1. विद्यार्थी भारतीयता क्या है ऐसी समझ विकसित कर पाएंगे । 2. विद्यार्थी की हिन्दी की एवं अन्य भाषाओं की ज्ञान परंपरा के बारें अध्ययन की रुचि विकसित होगी। 3. छात्र विभिन्न भाषाओं के साहित्य से वैचारिक सारणियों- समाज सुधार का अध्ययन करके सकारात्मक समाज निर्माण की क्षमता विकसित कर पाएंगे। 4. भारतीय साहित्य विभिन्न भाषा और क्षेत्रीय के बीच की दूरी को समाप्त करने में सहायक हो सकेगा।

	5. छात्रों में भारतीय साहित्य के माध्यम से अन्य भाषाओं के आधुनिक सामाजिक चिंतकों के जीवन मूल्यों को समझ सकेंगे ।		
	Course Contents (not as running matter, should be point wise with Title of Unit	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I		
	भारतीय साहित्य की अवधारणा- अध्ययन की समस्याएं ,साहित्य में भारतीय मूल्यों की अवधारणा	12 pds	Understanding
	Unit – II		
	उर्दू साहित्य – गालिब , चयनित गज़लें	(10 pds)	Understanding
	Unit – III		
	बांग्ला एवं मराठी साहित्य - रवीन्द्रनाथ टैगोर की कविताएं , घासीराम कोतवाल – मराठी नाटक	(10 pds)	Creating
	Unit – IV		
	द्रविड भाषा परिवार – संस्कार उपन्यास – यू आर अनतमूर्ति (कन्नड)	(10 pds)	Analyzing
	Unit – V		
	इकाई 5- इंदिरा गोस्वामी का चयनित उपन्यास	(10 pds)	Applying

5	REFERENCE BOOKS	Auther	Edition, Year, Publisher	PLACE
a	हिन्दी साहित्य	नगेन्द्र	1996	
b	साहित्य	लक्ष्मी कान्त पांडे		
c	साहित्य की भूमिका	रामविलास शर्मा		

Program Name- B.A. Honors non research option Research VIII Semester	
Status of Course & Credit: Major /Minor Course (Credit:4)	
Course Number & Title: HIM 807 हिन्दी उपन्यास	
Lectures/ Week: of 55 mts. Each. [Week 13 per semester]	
Total Lectures / Semester: 52	
1	Introduction:

	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे। उपन्यास का उदय एवं उसकी संरचना से परिचित हो सकेंगे। उपन्यास के राष्ट्रिय रुपक कहे जाने के वास्तविक कारणों को जान सकेंगे।		
2	Objectives: उपन्यास के उदय के कारणों की पड़ताल। हिन्दी उपन्यास के उदय की जानकारी देना। उपन्यास की संरचना और शिल्प के रूपों से परिचय होना। उपन्यास के विश्लेषण की समझ विकसित करना। हिन्दी उपन्यास के विकास के विभिन्न पड़ावों से परिचय देना।		
3	Course Outcomes: हिन्दी उपन्यास का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे। प्रमुख हिन्दी उपन्यासों के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे। . उपन्यास की संरचना और शिल्प की समझ विकसित होगी। . हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
4	Course Contents (not as running matter, should be points wise with title of unit)	Period Number of Lecture(s)	Bloom's Taxonomy Learning outcome
	Unit – I उपन्यास की अवधारणा		
	उपन्यास का उदय मध्यवर्ग और उपन्यास उपन्यास और लोक राष्ट्रीय रूपक और उपन्यास आरंभिक हिन्दी उपन्यास, हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास विभाजन की त्रासदी और उपन्यास हिन्दी के प्रमुख उपन्यास और उनका परिचय	12	Understanding
	Unit – II उपन्यास परिचय	10	
	गोदान-प्रेमचंद		Analyzing/ Evaluating
	Unit – III उपन्यास परिचय	10	
	तमस- भीष्म साहनी		Analyzing/ Evaluating
	Unit – IV उपन्यास परिचय	10	
	बाणभट्ट की आत्मकथा-हजारी प्रसाद द्विवेदी		Analyzing/ Evaluating
	Unit – V उपन्यास परिचय	10	
	राग दरबारी-श्रीलाल शुक्ल		Analyzing/ Evaluating

5	REFERENCE BOOKS	AUTHOR(s)	Edition, Year, Publisher	PLACE
	हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचन्द्र तिवारी	2014	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
	हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय	2016	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेंद्र	2022	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी	2018	लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
	हिन्दी उपन्यास : एक अंतरयात्रा	रामदरश मिश्र	2016	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली